दिलेर माँ

बर्तोल्त ब्रेख़्त



अनु. जितेन्द्र कौशल

पूज्य पिता को

जिन्होंने जीवन की जलती सच्चाई को
झेला, और मुझे झेलना सिखाया।
इससे पहले कि कभी मेरे पांव लड़खड़ाए।
उनके सशक्त बाजुओं ने मुझे संभाल लिया,
और अब मैं सम्हलना सीख चुका हूं।

' दिलेर मा

हिटलर जग चाहता है, ब्रेख्त को इसका आभास १६३७ के शुरू मे ही हो गया था। उसने अपनी एक कविता जमन वार प्रीमियर मे लिखा है।

आने वाला कोई एक महीना
या एक दिन
काले ब्रूस से चिह्नित होगा।

और वो दिन था सितम्बर १६३६ जिस दिन दूसरी जग शुरू हुई।

यह घटना प्रधान नाटक तीस साला की जग का नाटक है।

दिलेर मा फौज के साथ फौजियो को शराब और अन्य चीजें बेचते-बेचते यूरोप को पार कर जाती है। उसके पास एक गाडी है जो केन्टीन का काम करती है।

दिलेर मा एक एक कर अपने बच्चो को जग मे खोती जाती है लेकिन एक चीज नही छोडती। अपनी आजीविका—गाडी।

दिलेर मा, ब्रेख्त का सभवत सर्वाधिक प्रसिद्ध नाटक है जो १६३८-३६ मे लिखा गया और १६४१ मे सबसे पहले ज्यूरिख मे मचित हुआ। १६४६ मे बर्लिन प्रस्तुति, जिसमें हेलेने वैगल दिलेर मा का अभिनय कर रही थी, दिलेर मा का प्रदशन बर्लिन दर्शको के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव हो के रह गया। १६५५ मे पहली बार जान लिटिलवुड के थियटर वकशाप ने इसे अग्रेजी मे प्रस्तुत किया और तभी से यह नाटक अग्रेजी मच के मानक नाटको मे शामिल हो गया। घटनाओ से स्पष्ट साक्षात

करते हुए ब्रेख्त ने यह महान नाटक एक युद्ध को लेकर लिखा है जिसका विनाश महान यूरोप की सीमाओं को लाघ गया, जिसने दिए युद्धनेता और मुनाफाखोर, जिसने मूल्यों और विचारधारा को बदल दिया और छोड दिए खासकर जर्मनी के वे भावुक लोग अंधों की तरह अनजान, जस वे युद्ध के आरंभ में थे।

दिलेर मा, दबाव में लिखा गया, जैसाकि स्केनडिवेयन दर्शकों को बताया गया।

'जब मैंने यह नाटक लिखा तो सोचा था कि नाटककार की चेतावना भरी आवाज को महान शहरों के मंचों से सुना जाएगा। ये घोषणा करते हुए की जो शतान के साथ खीर खाएगा उसके पास यकीनन ही एक बडी चम्मच होगी। ये मेरी सरलता थी और सरलता को मैं कभी भी लज्जाजनक नहीं मानता। ऐसी नाट्य प्रस्तुतियां कभी भौतिक नहीं होती। लेखक उतनी जल्दी लिख नहीं सकते सरकारें जितनी जल्दी जंग कर सकती हैं क्योंकि लेखन ठोस और कठिन वचारिक प्रक्रिया है।'

ब्रेख्त के विचार से नाटक के प्रस्तुतीकरण में देर हो गई, इससे पहले कि नाटककार की चेतावनी पूर्ण आवाज गूंज सके, खूंखार लुटेरे हिटलर ने थियेटरों को अपने शिकंजे में कस लिया।

१६ अप्रल, १६४१ ब्रेख्त के हेलसिंकी छोडने के एक महीने पहले जब वे केलीफोर्निया के लम्बे सफर पर जा रहे थे दिलेर मा का प्रथम प्रदर्शन हुआ। जिन लोगों ने इस नाटक को देखा उन्हें यह नाटक जंगली नुकीले कांटे सा लगा। नाटक ठीक युद्ध के दिनों में हुआ। दिलेर मा की भूमिका में थेरेस ग्योश। टिपा आपो की मंच सज्जा। पाल बुक हाड का संगीत और लिड्थबर्ग का निर्देशन था। दिलेरमा के प्रथम प्रदर्शन ने ही ब्रेख्त को एक महान निर्देशक के साथ साथ एक महान नाटककार भी बना दिया। एक अनजान महान कृति का प्रदर्शन जिसे जानदार भाषा में लिखा गया और तीखा स्पष्ट बातें जंग के बारे में कही गईं, जिसे दर्शकों ने आत्मसात किया। ये ब्रेख्त की अभूतपूर्व सफलता थी। दूसरी बात यह कि एक महान अभिनेत्री जिसे भुला दिया गया था जिसकी आवाज शानदार थी और दिलेर मा की अनुरूप ही थी उसकी

शरीर रचना । उस रात के प्रदशन ने एक महान कलकार को पुन प्रतिष्ठित किया ।

बर्तोल ब्रेख्त १० फरवरी, १८९८ मे, अगस्वग मे जन्मे और अगस्त १९५६ मे बर्लिन मे उनकी मृ यु हुई। उनम नाटककार की परिपक्वता दूसरे दशक के अत और तीसरे दशक के प्रारभ मे आई जब उन्ह मन इक्वल्स मैन, थ्री पैनी-आपेरा, महोगनी और दिलेर मा जसे नाटक लिखे। १९३३ मे जब हिटलर सत्ता मे आया तब उन्हान जमनी का छोड दिया । १९४१ म वे अमेरिका पहुचे और १९४७ तक वही रहे ।

इसी अनातवास की अवधि मे उन्हान अदभुत कृतियो का निमाण किया जिनमें लाइफ आफ गलीलियो मदर करेज, काकेशियन चाक सर्किल और पु तला शामिल हैं ।

यूरोप लौटन के तुरत बाद ही उन्होन १९४७ मे बर्लिनेयर अनसाबल की बुनियाद रखी और तब से मृत्युपयन्त वे वही स्वय अपन नाटको का प्रस्तुत करत रहे ।

—प्रकाश जन

पात्र-परिचय

एनार्फालिंग	दिलेर मां
कैथरीन	दिलेर मां की गूंगी लड़की
स्विस चीज ऐलिफ	दिलेर मां के बेटे
ईवेटी	फाहिशा औरत
कर्नल	ईवेटी का चाहने वाला
बावर्ची	कमांडर का बावर्ची
पादरी	रेजीमेंट का पादरी
कमांडर	
भर्ती अफसर	ऐलिफ के रेजीमेंट का कमांडर
हवलदार	

पट्टीवाला, मुंशी, बूढ़ा फौजी,
किसान, किसान का लड़का
बुढ़िया लैफ्टीनेंट, एक और
किसान परिवार और कुछ सिपाही

पहला सीन

(शहर के बाहर—एक रास्ता)

भर्ती अ० अब भला ऐसी जगह पर एक पलटन कसे भर्ती की जा सकती है। हवलदार जानते हो आजकल मैं क्या सोचता रहता हू—आत्म हत्या बारह तारीख तक मुझे चार पलटनें भर्ती करनी है—चार पलटनें—साहब का हुक्म ह। और यहा के लाग उतन महरबान किस्म के ह कि डर के मारे मुझे रात भर नींद नही आती। मान लो, कोई दाव आ ही जाता है। मै यह भी भूल जाता हू उसकी कबूतर जसी तो छाती ह और नमा का फूलन की बीमारी है। मैं उसे पिलाता हू। बहलाता हू। वह दस्तखत कर दता है। मै शराब की कीमत चुकाता हू। और वह बाहर निकल जाता ह। मै ठीक ही सोचता हू कि उसका पीछा कर क्योकि वह ऐस गायब हाता है जस गधे क सिर से सीग। मद की जुबान तो अब रही ही नहीं सार्जेंट—दुनिया म यकीन, वफादारी भरोसा आदर-मान कुछ भी नही रहा। मरा तो इसानियत स एतबार उठता जा रहा है।

हवलदार बात यह है कि एक धमाका किस्म की जग हानी चाहिए। चारो तरफ अमन और शाति का बोलाबाला हो तो और

क्या उम्मीद कर सकते हो। जानते हो अमन के साथ मुसी-बत क्या है ? कोई व्यवस्था नही कोई तरतीब नही। और व्यवस्था कब होती है ? जब जग हो। अमन और शान्ति की हालत म तो साजोसामान की बरबादी है। किसी को बला से कुछ भी होता रहे। खाना देता है उनको। पनीर के पकौडे बन रहे है। कापी बनाये जा रहे है। हर तो यह है शहर म घोडे कितने हैं। जवान गबरू कितने हैं किसी को खबर नही। किसी ने गिनने की कोशिश ही नही की। इसे अमन कहते हैं। मैं ऐसे इलाको मे गया हू जहा पिछले ५० वर्षो से कोई लडाई नही हुई। वहा की हालत जानते हो क्या है ? लोगो का नाम भी नही दिये गये। कौन क्या है, किसी को खबर नहीं। जग हो तो नाम रखे जाए। जग म सबके नाम दरज किये जाते है। जूतो का हिसाब रखा जाता है। अनाज के बोरे, जानवर मवेशी, इन्सान वगैरा सभी की गिनती की जाती है। काम होता है। जग नही तो कोई व्यवस्था नही—तरतीब नही।

अफसर सौ फीसदी सच है।

हवलदार बिल्कुल सौ फीसदी जग भी एक अच्छे व्यापार की तरह है चलते चलते ही चलती है। एक बार शुरू हुई तो धूम मच जाती है। फिर तो लोग अमन और शान्ति के नाम से ऐसे भागते है जैसे प्लेग के चूहे से क्योंकि अमन होते ही सब हिसाब किताब करना पडेगा। वैसे जब तक शुरू नही होती, जग के नाम से भी घबराहट होती है। कितनी अनोखी बात है।

अफसर अरे देखो, कन्टीन की गाडी आ रही है। दो औरतें और दो छोकरे। इस बुढिया को रोको हवलदार ! अब भी कुछ नही हुआ तो इस बर्फीली हवा मे मैं एक पल नहीं रुकूगा।

(हारमोनिका पर धुन। कन्टीन की गाडी को दो लडके

खींचकर लाते हैं। दिलेर मा बेटी कथरीन के साथ ऊपर बैठी है।)

मा सुबह मुबारक हवलदार साहिब !

हवलदार सुबह मुबारक ! कौन हो तुम लोग ?

मा हम व्यापारी है। [गाती है]

सुनो हाकिमो ! सुनो सुनो,
दिलेर मा य गाती है।
सुनो अफसरो ! सुनो सुनो,
सब का दिल बहलाती है।
बद करा जगी नक्कार पल दो पल के वास्ते
फौज को सुस्ता लेन दो, पल दो पल के वास्ते !
दिलेर मा ये आई है,
बढिया जूते लाई है।
इनको जो आजमाएगा
चाल मे तेजी पाएगा।
ले आना है अगर जग म य सारा सामान
तोपें घाडे और मवेशी लिए हाथ पे जान
किसके बूते ? किसके बूते ?
गर ना होग बढिया जूते
वप है पिघल रही इसाइयो ! उठो
झूमती बहार ह ए भाइयो उठो
सो रह ह मुर्दे मगर मौत क्यो निहारती
जगा उठो बढे चला जिन्दगी पुकारती
सुनो हाकिमो सुनो सुनो सबको दिलेर मा ये गाती है
सुनो अफसरो सुनो सुनो दिल बहलाती है।
चले जायेंगे आपने फौजो जो नहलो पर हैं दहले
दिलेर मा य आई है

हुआ, मैंने कीमत चुकाई नही काफी है यह कागजात ?

हवलदार मेरी खिल्ली उडा रही हो ? अभी खबर लेता हू। जानती हो तुम्हारे पास लाइसेंस भी होना चाहिए ?

मा कुछ तो अक्ल से काम लो। तुम्हारी खिल्ली भी कोई चिडिया विडिया है जो मैं उडाऊगी ? इतने बडे बडे बच्चे हैं मेरे। मेरा तुम्हारा क्या वास्ता ! सकिण्ड रेजीमेंट मे मेरा यह भोला चेहरा ही मेरा लाईसेंस है। तुम्हे पढना न आये तो मेरा क्या कुसूर ? और फिर मुझे किसी मोहर वाहर की जरूरत नही।

अफसर हवलदार ! यह नाफरमानी—बगावत का मामला है। जानती हो, फौज मे किस चीज की जरूरत है ? डिसिप्लिन की। फौजी ट्रेनिंग की।

मा मैं समझती थी, गोश्त की, पनीर की।

हवलदार नाम ?

मा एना फरलिंग !

हवलदार तो तुम सब फरलिंग हो ?

मा मैंने अपने बारे मे बताया है।

हवलदार और मैं तुम्हारे बच्चो के बारे मे कह रहा था !

मा क्या यह जरूरी है उन सबका एक ही नाम हो ? (एलिफ की ओर इशारा) अब इसको ही ले लो। मैं इसको एलिफ नोयाकी कहती हू। यह नाम इसको अपने बाप से मिला है। वह अपने आपको कोयोकी कहता था। शायद कोयोकी भाई पे जाये यह लडका अब भी उसको याद करता है। लेकिन जिस आदमी का यह याद करता है वह कोई और ही था—नोकीली दाढी वाला फ्रासीसी। दिमाग इसने अपने बाप जसा ही पाया है। वह एसी सफाई से लोगो के कपडे उतारता था कि उनको महसूस भी नही होता था ऐसे ही हम सबके अपने-अपने नाम है।

मा जग न जाने कब वामवग पहुचे। इन्तज़ार न कर सकी तो यहा चली आई।

अफसर यह दोनो बैल इस गाडी को खीचते ह।: बैल ओ बल। कभी काठी से वाहर भी निकलते हो ?

ऐलिफ मा—एक झापड दू इसके वुथडे पर ?

मा जहा हो वही रहो। हा तो साहिबो पिस्तौल के खोल के बारे मे क्या ख्याल है। या पटी बेटी ही देख ला। तुम्हारी तो बिल्कुल बेकार हो गई है हवलदार !

हवलदार मैं तो किसी और ही चीज़ की तलाश म हू—तुम्हारे बेट देवदार के पेड की तरह लम्बे तडग ह। मजबूत शरीर, चौडी छाती। यह इतने तगडे जवान फौज के बाहर क्या रह रहे है ?

मा (जल्दी से) मेरे बच्चे —और फौज मे ?

अफसर क्यो ? पसा मिलेगा, सम्मान मिलेगा। जूते चटखाते फिरना तो औरतो का काम है। (ऐलिफ से) इधर आओ। देखें सही यह पटठे मजबूत भी है या ऐसे ही चर्बी चढी है !

मा ऐसे ही चर्बी चढी है—घूर कर देखा तो बहोश हा जाए !

अफसर और एक आध भेड बकरी दबा कर मार डालें क्या ? (ऐलिफ को धकेलने की कोशिश करता है।)

मा हाथ मत लगाओ यह फौज के लिए नही है।

अफसर मेरे चेहरे को बुथेडा कहता है—जरा दख तो सही इसके दम-खम ।

ऐलिफ परवाह मत करो मा ! इससे निपट सकता हू !

मा रुक जाओ तुम्ह भी दगा किये बगर चन नही पडता। इसने बूट में चाकू छुपा रखा है और मारना भी आता है।

अफसर वह तो मैं ऐसे निकाल लूगा जैसे मक्खन मे से बाल आओ मेरे सोहल कबूतर

मा खबरदार ! मैं करनल से कह कर तुम्ह क्वाटर गाद म

बन्द करवा दूगी। उसका लेफ्टन मेरी बेटी पर मर मिटा है। दोनों म खूब पट रही है।

हवलदार शान्ति ! शान्ति ! (मां से)
तुम फौजी जिन्दगी क खिलाफ क्या हो। इसका बाप भी तो फौजी था ! तुमने कहा नहीं कि वह एक फौजी की मौत मरा ?

मा यह अभी बच्चा है। और मैं जानती हू, तुम पाच गिल्डर के लिए उसे बकरी की तरह जबह कर दोगे।

अफसर सुनो एक खूबसूरत टोपी मिलेगी और ऊची ऐडी वाल बूट भर्ती हो जाओ रेगमेंट

एलिफ तुम तो नहीं रोओगे ?

मा शेर न कहा बकरी से चलो शिकार को चलें
(स्विस से) अरे खड़ा क्या है—भाग कर जा—सबको बता क। या तुम्हार भाई को दिन दहाड़े उठा ले जान की कोशिश कर रहे हैं। (चाकू निकाल कर) हाथ तो लगाओ कुत्ता की तरह काट कर फेंक दूगी। हम कपड़ा बचते हैं। गोश्त बेचते हैं—झगडालू नहीं हैं।

हवलदार वह तो यह चाकू भी बता रहा है तुम झगडालू नहीं हो। शम नहीं आती ! लाओ इधर वह चाकू खुमद कहीं की तुमने खुद माना है तुम जग से रोजी कमाती हो इसके सिवाय तुम कर भी क्या सकती हो, अच्छा बताओ, फौजी नहीं होगे तो जग कैसे होगा !

मा फौज के लिए मर कट ही रह गये हैं क्या ?

हवलदार यही तो मुसीबत है। मीठा मीठा हडप कड़वा कड़वा थू तुम्हारे यह साड जग की कमाई पर पलते रहे और जग बेचारी बदले म कुछ न माग अपने आप चलती रहे है ना अपने आपको दिलेर मा कहती हो और डरती हो जग से मैं इतना बता सकता हू तुम्हारे बच्चे नहीं डरते !

एलिफ — अरे जंग तो क्या, जंग का बाप भी मुझे नहीं डरा सकता !

हवलदार — यह हुई न बात ! मैंने क्या कहा था भला बताओ फौजी जिन्दगी ने मेरा क्या बिगाड़ लिया। बिगड़ा है कुछ ? मैं सत्रह बरस का था जब भर्ती हुआ था !

मां — सत्तर के तो नहीं हुए ?

हवलदार — सत्तर का भी हो जाऊंगा !

मां — ज़मीन के ऊपर ?

हवलदार — तुम यह कहना चाहती हो मैं मर जाऊंगा। मुझे चिढ़ाना चाहती हो ?

मां — मान लो ऐसा हो। मान लो मैं तुम्हारे सिर पर मंडराती हुई मौत देख रही हूं। हो सकता है मैं जानती हूं तुम सिर्फ एक चलती फिरती लाश हो और छुट्टी पर आए हुए हो।

स्विस — सब जानते हैं, यह किस्मत का हाल बता सकती हैं।

अफसर — फिर तो हवलदार की किस्मत का हाल जरूर बताओ। शायद इसका दिल बहल जाए।

हवलदार — मैं ऐसी खुराफात में यकीन नहीं रखता।

मां — टोप दो इधर ! (देता है।)

हवलदार — थोड़ी देर की दिल्लगी ही सही।

मां — (चमड़े का कागज़ लेकर दो टुकड़े करती है) ऐलिफ सविस चीज कथरीन अगर हमने जंग का रंग-ढंग अपना लिया तो हमारे भी इसी तरह दो टुकड़े हो जायेंगे। (हवलदार से) तुम्हारे लिए खास रिआयत —बिल्कुल मुफ्त ! मौत काली स्याह है। एक काला क्रास बनाऊंगी।

स्विस — और दूसरा खाली छोड़ देंगी देखा !

मां — मैं इनको दोहरा करती हूं। टोप में डालती हूं। गड़मड करती हूं जैसे हम सब मां की कोख से गड़मड आते हैं ‑ ला अब उठाओ !

(हवलदार झिझकता है।)

अफसर (ऐलिफ स) मैं हर किसी को भरती नहीं करता। इस मामले में बहुत चूजी हू। तुम्हारी हिम्मत मुझे बहुत पसन्द आई।

हवलदार (टोप मे टटोलते हुए) क्या बकवास है। चलो खुजली नही तो यू दिल बहला लिया।

मा काला क्रास—इसका पत्ता कट—

अफसर परवाह मत करो उस्ताद! तुम जैसे बेकारो के लिए गोलिया फालतू नही हैं।

हवलदार तुमने धोखा किया है।

मा धोखा तो तुमने किया था जिस दिन भरती हुए थे। अब हम चलना चाहिए। हफ्ते म सातो रोज तो जग होती नही। हमे काम में जुट जाना चाहिए।

हवलदार वाहियात! तुम ऐसे कैसे जा सकती हो। तुम्हारे इस चुगद को हम साथ लेकर जा रहे हैं।

ऐलिफ जाने दो न मा ?

मा खामोश! शैतान कहीं का ।

ऐलिफ स्विस चीज भी भरती होना चाहता है!

मा स्विस चीज भी भरती होना चाहता है—यह तो खबर है मेरे लिए। लगता है तुम तीनो की किस्मत भी देखनी पडेगी। (गाडी के पीछे जाती है और कागज के टुकडों पर क्रास बनाती है।)

अफसर (ऐलिफ से) लोग कहते हैं स्वीडन के सिपाही बहुत धार्मिक किस्म की चीज होता है। ऐसी अफवाहो से बहुत दुख होता है। इतवार क इतवार प्रार्थना के दो बोल वह भी आवाज हो तो ।

मा (टुकडे हवलदार के टोप मे डालती है) तो यह बदमाश अपनी बूढी मा को छोड जाएगे। है ना! जग की तरफ ऐसे झपटते हैं जैसे दूध पर बिल्ली। खैर, पहले मैं इन परचियो से सलाह करूगी। इनको भी मालूम होना

चाहिये कि "भरती हो जाओ नौजवान, तुम तो अफसर लगते हो' कहने से जिन्दगी फूलो की सेज नहीं बन जाती। मुझे इनकी बहुत फिक्र हो रही है। मुझे डर है कि यह इस जग से बच नहीं पायेंगे। तीनों में बहुत भयानक किस्म की खूबियां हैं। (ऐलिफ से)

लो! निकालो अपनी किस्मत। (ऐलिफ ढूंढता है। एक पर्ची निकालता है मां छीन लेती है)

लो! देख लो! नाश है। बदनसीबी मां की जो गमों की दौलत से पहले ही मालामाल है। यह तो जाएगा। भरी जवानी में जाएगा। सिपाही बनेगा तो खाक चाटनी पड़ेगी। लड़का भी तो अपने बाप जैसा है। इस पर्ची से साबित होता है, भेजे से काम नहीं लेगा तो दूसरों की तरह खतम हो जाएगा। (डांट कर) अक्ल बरतोगे कि नहीं?

ऐलिफ बरतूंगा क्या नहीं?

मा ठीक है। अक्ल से काम लो और अपनी मां के पास रहो। डरपोक कह कर मज़ाक उड़ाए तो हंस कर टाल दो।

अफसर तुम अपनी पतलून गीली करने वाले हो तो तुम्हारे भाई को खबर लेता हूं!

मा मैंने कहा था न हंस कर टाल दो—हंसो! अब स्विस चीज़ की बारी है। तुम ईमानदार हो। तुम्हारी किस्मत अच्छी होनी चाहिए। (ढूंढकर निकालती है)

अरे, पर्ची को घबराये हुए क्यों देख रहे हो? यह खाली होगी। इस पर नाश नहीं हो सकता। तुम भी चले गये तो मैं क्या करूंगी। (खोलती है)

नाश यह भी गया। भोला भाला है—इसलिए। ओ स्विस चीज़, तुम हर वक्त ईमानदारी और शराफत से रहे हो। हमेशा रोटी खरीद कर बाकी पैसे मुझे देते रहे। देखो, जैसा मैंने तुम्हें पाला पोसा है वैसे ही रहना,

नही तो तुम्हारा पत्ता कट ! तुम शराफत से ही अपना बचाव कर सकते हो। हवलदार, देखो तो नाम ही है न ?

हवलदार — हा ! हा ! नाम ही तो है। लेकिन समझ मे नहीं आता मेरा नाम क्यो निकला। मैं तो हमेशा मार्चे से पीछे रहता हू। (अफसर से) चालाकी भी नही हो सकती। इसके बच्चा का भी तो निकला है।

स्विस — और तो और, मेरा भी निकला है। पर मै मानूगा ही नही !

मा — (क्यरीन से) अब ले-देकर तुम रह गयी हो। तुम तो खुद एक क्रास हो। साफ दिल जो हो। (गाडी की तरफ टोप बढाती है परन्तु पर्ची खुद निकालती है।)

घबराहट मे मरी तो दिल की धड़कन ही बन्द हो जाएगी। मैंने शायद अच्छी तरह से इन पर्चियो को मिलाया नही। बहुत नर्मी मत दिखाना क्यरीन। कभी मत दिखाना। तुम्हारे रास्ते मे भी यह क्रास है। जहा तक हो सके, खामोश रहना। तुम्हारे लिए मुश्किल भी न होगा। गूगापन काम आएगा। मालूम हो गया अब तो तुम सबको। बहुत होशियारी से रहना पडेगा। चलू। गाडी मे बठू और अपनी राह लगू। (गाडी मे बैठती है।)

अफसर — कुछ करो न हवलदार !

हवलदार — मेरा तो जी घबरा रहा है।

अफसर — टोप उतार देने से हवा लग गई है शायद। इससे जरा खरीददारी की बात छेडो ! (ऊची आवाज मे)

हवलदार वह पेटी तो देख ही सकते हो। यह लोग दुकानदारी पर गुजर बसर करते हैं। सुनो, भई, सुनो ! हवलदार साहब पेटी खरीदना चाहते है।

मा — आधे गिल्डर की है। एसी पेटी दो गिल्डर मे भी न मिले। (नीचे आती है।)

हवलदार — नई तो नही लगती। गाडी के पीछे जाकर देखता हू। यहा

पर हवा बहुत अच्छी है।

मा — मुझे तो हवा अच्छी नहीं लग रही।

हवलदार — आधे गिल्डर की हो सकती है। चांदी मढ़ा है।

माँ — छः औंस से कम नहीं। (पीछे जाती है)

अफसर — (एलिफ से) आओ, हम दोनों मर्द एक एक जाम चढ़ायें। मैं एडवान्स में कुछ दे दूंगा। तुम कीमत चुका देना चलो! (एलिफ फैसला नहीं कर पाता।)

मा — तो आधा गिल्डर मंजूर है?

हवलदार — समझ में नहीं आता—मैं हमेशा पीछे रहा हूं। एक हवलदार के लिए उससे महफूज जगह कौन सी हो सकती है। मेरी तो भूख भी मर गई कुछ निगल नहीं सकूंगा।

मा — अरे—ऐसी बात दिल पर नहीं लगा लेते। खाना क्या नहीं खा सकोगे? तो थोड़ी सी ब्रांडी पियो।

अफसर — (एलिफ को ले जाते हुए) दस गिल्डर एडवान्स और तुम बादशाह के सिपाही बन जाओगे। एक जवान मर्द सिपाही। औरतें तुम्हारे तलवे चाटती फिरेंगी। और मैंने जो तुम्हारी बेइज्जती की थी, तुम चाहो तो उसके लिए मेरे थुथने पर झापड़ मार सकते हो। (दोनों जाते हैं। कैथरीन गाड़ी से उतर कर बेमतलब आवाजों में चिल्लाती है।)

माँ — आ रही हूं। कैथरीन! अभी आ रही हूं। हवलदार साहिब कीमत चुका रहे हैं। (सिक्का दांत से काटती हुई आती है।)

मुझे हर सिक्के पर शक होता है। बहुत धोखा खा चुकी हूं हवलदार साहिब! यह तो खरा है। अब हम चलेंगे। ऐलिफ कहां है?

स्विस — भरती वाले अफसर के साथ गया।

माँ — (चुप रह जाती है—फिर) ओ बुद्धू तुम बोल ही नहीं

सकते तुम्हारा क्या कुसूर ?

हवलदार यही जि दगी है दिलेर मा ! थोडी सी ब्राण्डी पी लो। फौज मे भर्ती होना उतना बुरा नही जितना तुम समझती हो। तुम जग पर जीना भी चाहती हो और आग से दामन भी बचाना चाहती हो। क्यो ?

मा अब तुम्हे अपने भाई की मदद करनी चाहिए कथरीन। (भाई बहन काठी डाल लेते हैं और गाडी खींचते हैं। मा साथ चलती है।)

हवलदार जग है देती जि दगी
करो तुम इसकी ब दगी
जि दगी सवार ला
मौत से बहार ला।

दूसरा सीन

(१६२५ २६ मे दिलेर मा स्वीडिश फौज के साथ पोलण्ड मे सफर करती है। वालहोफ किला के पास वह अपने बेटे को फिर मिलती है। मुर्गी की सफल बिक्री और बहादुर बेटे क सुनहरे दिन !)

(स्वीडिश कमाण्डर का तम्बू—साथ ही बावर्चीखाना। तोप की आवाज ! बावर्ची दिलेर मा से बहस कर रहा है जो उसको मुर्गा बेचने की कोशिश मे है।)

बावर्ची साठ हैलर और इस मरियल मुर्गे के लिए ?

मा मरियल मुर्गा । अरे मिया, इतना मोटा मुर्गा उमर भर नहीं देखा होगा। साठ हलर क्या न मागू ? कमाण्डर खाना शुरू करे—दिन ढल जाए और यह खतम न हो। और फिर रसोई खाली है—जरूरत तुम्हारो

बावर्ची दस हैलर दजन के हिसाब से गली मे मारे मारे फिरत है।

मा ऐसा मुर्गा और गली गली ? इस घेराव के समय जब आदमियो तक की तो हड्डिया निकल आयी हैं। जगली चूहा मिल जाए तो मिल जाए। उसकी भी उम्मीद कम है क्योंकि अब तो वह भी खतम हो गये हैं। तुमने देखा नहीं, एक फुदकती चुहिया के पीछे फौजी कस भागन हैं। चलो मैंने कह दिया। इस घेराव के कारण इस मोटे-ताजे मुर्गे की कीमत है पचास हैलर !

बावर्ची लेकिन घेराव म वह लोग हैं। हम नही। यह बात तुम्हारे भेजे म कब आयेगी कि घेराव हमने किया है।

मा फर्क क्या पडता है ? खाने के लिए हमारे पास भी कुछ नही है। घेराव होने से पहले ही वह सब अपने साथ ले गये थे। अब उनके पास खान-पीने के सिवा काम ही नही। मुझे तो अपने लोगो की चिंता है। आस पडोस के किसानो को ही देखो, उनके पास खाने को क्या धरा है ?

बावर्ची है क्या नहीं। उन्होने छिपा रखा है।

मा बिल्कुल नहीं। वह बरबाद हो चुके हैं। बिल्कुल बरबाद। मैंने उन्हे पेट की आग बुझाने के लिए जमीन खोद कर जडें ढूढते हुए देखा है। अब तो यह हालत हो गयी है तुम्हारी यह चमडे की पटी उबाल दू तो उनके मुह म पानी भर आए और तुम चाहते हो, इतना शानदार मुर्गा चालीस हैलर म दे दू ?

बावर्ची तीस मे चालीस मे नही—मैंने तीस हैलर कहा था।

मा मैं कहती हू, यह आम मुर्गा नही है। मैंने सुना है यह बहुत गुणवान परिंदा था। यह सिर्फ सगीत के साथ ही दाना चुगता था। एक धुन तो इसकी कहती थी। और तो और, यह गिन भी सकता था। इन सबके लिए चालीस हैलर ज्यादा हैं ? तुम्हारी मुसीबत की भी मुझे खबर है। अगर तुम जल्दी से कुछ पका न सके तो कमाण्डर तुम्हारा यह खोखला सिर धड से अलग कर देगा।

बावर्ची तुम भी क्या याद करोगी। लो देखती जाओ अब ! (मीट का एक टुकडा निकालता है। चाकू ऊपर रख कर) यह रहा गोश्त ! अभी तल लूगा। तुम्हें एक मौका और देता हू।

मा तलो—तलो—एक ही साल पुराना तो है !

बावर्ची एक दिन पुराना। कल तक यह एक जीव था। मैंने खुद इसको चौकडिया भरते हुए देखा है।

मा फिर तो मरने से पहले ही मर गया होगा !

बावर्ची मुझे पाच घटे भी उबालना पडा तो उबालूगा। फिर रखूगा कमे नही गलता। (काटता है।)

मा मिर्ची जरा अच्छी तरह से डाल देना। कमाण्डर को बू नही आयगी।

(स्वीडिश कमाण्डर पादरी और ऐलिफ तम्बू मे आते हैं।)

कमाण्डर (एलिफ को शाबाशी देते हुए) तुम अब कमाण्डर के कमरे मे हो बरखुरदार, मेरी दाइ तरफ बठो ! तुमने एक हीरो का काम किया है। तुमने खुदावन्द करीम की खिदमत की है। सबसे बडी बात यह है कि तुमने इस मुकद्दस जग मे हिस्सा लिया है। जब हम यह शहर फतह कर लेंगे और मेरी आवाज की सुनवाई हुई तो तुम्हे सुनहरी तमगा इनाम मिलेगा। हद हो गई। हम तो उनकी रूहो की हिफाजत के लिए आये और वह गलीज, काफिर, कुत्ते के बच्चे अपने जानवरो को हमसे दूर भगा रहे है। और अपने पादरियो के मुह दोनो हाथो से ठूसने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन तुमने मजा चखा दिया उनको। यह लो सुर्ख शराब का एक जाम। हम दोनो नोश फरमायेंगे। (पीते है।)

पादरी बहुत परहेजगार है। इसको जन्नत की ज्यादा फिकर है। बोलो क्या खाओगे मेरे अजीज ?

ऐलिफ गोश्त के पार्चे मिल जाए तो !

कमाण्डर बावर्ची। गोश्त लाओ !

बावर्ची खाने को कुछ है नही, और यह पूरी फौज ले आता है।

(मा उसे चुप करा कर सुनना चाहती है।)

ऐलिफ किसानो की झाड झडप से इसान थक जाता है। भूख तेज हो जाती है।

मा या खुदा यह तो मेरा एलिफ है !

बावर्ची कौन ?

मा — मेरा सबसे बड़ा बेटा दो बरस से नहीं देखा। भरे बाजार में उसे भगा ले गये। कमाण्डर उस पर मेहरबान होगा। तभी तो खाने पर बुलाया है। और तुम्हारे पास खाने को है क्या? खाक! तुमने सुना, कमाण्डर में मेहमान ने क्या मांगा है? गोश्त! मेरा कहा मानो, यह मुर्गा खरीद लो। सिर्फ एक गिल्डर में दे दूंगी।

कमाण्डर — (पादरी और ऐलिफ के साथ बैठ गया है।) जल्दी खाना लाओ सूअर, नहीं तो चमड़ी उधेड़ दूंगा!

बावर्ची — यह धोखाधड़ी है। लाओ दो यह वाहियात चीज।

मा — (व्यंग्य से) यह मरियल सा मुर्गा!

बावर्ची — ठीक है। ठीक है! इधर लाओ! दिन दहाड़े डाका। पचास हैलर!

मा — एक गिल्डर से कम नहीं। कमाण्डर के खास मेहमान और बेटे के लिए कोई भी कीमत ज्यादा नहीं।

बावर्ची — जब तक मैं आग जलाऊं तुम इसके पर ही नोच डालो!

मा — (पर नोचते हुए) अब और इंतजार नहीं कर सकता। अपने बहादुर और होशियार बेटे का मुंह कब देखूंगा। एक बेवकूफ भी है। लेकिन वह ईमानदार है। बेटी किसी काम की नहीं। बेजुबान है। बोलती नहीं। हमें ऐसी नेमतों के लिए खुदा का शुक्रगुजार होना चाहिए।

कमाण्डर — एक गिलास और लो जवांजेमन! यह मेरी पसन्दीदा शराब है। एक ही डाला बाकी है। ज्यादा से ज्यादा दो होंगे। लेकिन नौजवान तुम जैसे खुदापरस्त फौजी से मिलने के लिए यह बड़ी कुर्बानी नहीं है। हमारा भेड़ों का रखवाला पादरी या तो बैठे तमाशा देखता रहता है या तकरीरें झाड़ता है। काम कैसे होता है इसके फरिश्तों को भी खबर नहीं। अच्छा अजीजेजान ऐलिफ, जरा तफसील से बताओ, तुमने किसानों को कैसे ठिकाने

लगाया और बीम वलो पर कैमे कब्जा जमाया। उम्मीद है, वह जल्दी यहा पहुच जायेंगे। क्या ?

ऐलिफ — एक दिन में नही तो दो दिन मे

मा — यह हुई न समझदारी की बात। ऐलिफ बला का कल ला रहा है नही तो आज मेरे मुर्गे को कोई पूछता भी नही।

ऐलिफ — हुआ यू। मुझे खबर मिली कि किसानो न अपने बच्चो को छुपा रखा है। और रात के समय जगल के खास हिस्से की तरफ भगा दिया है। वहा से शहरिया न उन्हे ले जाना था। मैंने सोचा उनको आराम से जानवरो के पास जाने दू क्योकि ठिकाना उन्ही को मालूम था। इस बीच मैंने अपने आदमियो की गश्त की तलब को खूब बढावा दिया। राशन पहले ही कम मिला था। मैंने कोशिश से और भी कम करवा दिया। उनकी यह हालत हो गई थी कि ग' का कोई शब्द सुनते ही मुह मे पानी भर जाता था जैसे 'गोबर'।

कमाण्डर — वाह ! क्या तरकीब निकाली है।

ऐलिफ — चल गई। बाकी सब आसान था। सिर्फ किसान जरा गिनती मे हम से चार गुने थे और लाठिया उठाए हुए। उन्होने हम पर जोरदार हमला किया। चार आदमियो न मुझे एक पेड की खोह मे घेर लिया और मेरी तलवार मेरे हाथ से निकल गई। 'हथियार डाल दो!' वह चिल्लाये। मैंने सोचा, अब क्या करू ! यह तो मेरा कीमा बना देंगे।

कमाण्डर — तुमने क्या किया ?

ऐलिफ — मैं हस पडा !

कमाण्डर — क्या ?

ऐलिफ — जी हा, हस पडा, और हम बातें करने लगे। मैंने सीधी धधे की बात छेडी। 'एक बच्चे के बीस सिल्डर तो बहुत ज्यादा है। मैं पन्द्रह दे सकता हू।' जैसा मैं सौदेबाजी वाला

था। वह चक्कर में आ गए। वह अभी सिर खुजाते साँच ही रहे थे कि मैंने लपक कर तलवार उठाई और काट कर फेंक दिए। जरूरत के लिए कोई कानून पाबंदी नहीं है। ठीक है न ?

कमाण्डर आपका इर्शाद क्या है भेडों के रखवाले ?

पादरी सच पूछो तो धर्मग्रंथ में ऐसा कोई फरमान नहीं। हमारे मालिक ने पांच रोटियों से पांच सौ बनाई ताकि ऐसी कोई जरूरत ही पैदा न हो। जब उसने कहा, अपने पड़ोसियों से प्यार करो, उस समय उनके पेट भरे हुए थे। अब हालात बदल गए हैं।

कमाण्डर (हंसते हुए) बिलकुल बदले हुए। आपके इन खूबसूरत अल्फाज़ के लिए शराब का एक घूंट ! (ऐलिफ से) तुमने एक मुकद्दस काम के लिए उनके टुकड़े किए। हमारे जवान भूखे थे। तुमने उनको खाने के लिए दिया। क्या धर्मग्रंथ में नहीं लिखा है "जो कुछ तुम मेरे अज़ीज़ बच्चों के लिए करते हो, वह मेरे लिए करते हो" और तुमने उनको ऐसा बढ़िया खाना दिया जो उन्होंने जिन्दगी भर नहीं चखा होगा। खुदा की लड़ाई में जाने से पहले उन्होंने सूखा गोश्त खाई है और अपनी टोपियों में शराब पी है।

ऐलिफ मैंने अपनी तलवार उठाई और उनको काट कर फेंक दिया।

कमाण्डर तुम किसी जुलियस सीज़र से कम नहीं। तुम्हें तो बादशाह के हुजूर में पेश करना चाहिए।

ऐलिफ मैंने बादशाह को देखा है। लेकिन जरा दूर से। लगता था जैसे चारों तरफ रोशनी फैल रही हो। मैं भी वैसा बनने की कोशिश करूंगा।

कमाण्डर मेरे अज़ीज़ ! तुम कामयाबी की राह पर हो। ऐलिफ तुम नहीं जानते मैं तुम जैसे बहादुरों की कितनी कद्र करता

हू। मैं अपने जवानो को बिल्कुल अपना मानता हू।
(नक्शे के पास जाकर)
जरा नक्शे पर अपनी पोजीशन देखो ऐलिफ ! वैसी नही है जैसी होनी चाहिए।

मा (अब तक सुन रही थी। गुस्से से पर नोचते हुए) यह कोई अनाडी कमाण्डर होगा।

बावर्ची अनाडी क्या ? थोडा लालची जरूर है।

मा उसको बहादुरो की जरूरत है इसलिए। अगर उसकी हमले की स्कीम अच्छी होती तो उसे दूसरो की जरूरत क्यो होती ? सीधे-सादे आम सिपाहियो से काम नही चलता ? जहा बडी बडी खूबिया होती है वहा जरूर गोलमाल होता है।

बावर्ची तुम्हारा मतलब है, वहा सब ठीक-ठाक होता है।

मा मेरा मतलब वही है जो मै कहती हू। सुनो जब कोई कमाण्डर या बादशाह अपनी बेवकूफी से अपने फौजियो को किसी चक्कर मे फसा देता है उस वक्त उनकी बहादुरी, दिलेरी की जरूरत पडती है। जब उसके पास मुट्ठी भर लोग होते है तब उसमे हरक्यूलिस जैसे वीरो की जरूरत पडती है। एक और खूबी'। और जब वह आलसी और बेकार हो और किसी चीज की परवाह न करे, उस समय सिपाहियो को साप की तरह होशियार होना पडता है। नही तो वह बेमौत मारे जाए ! वफादारी भी एक खूबी है। अगर बादशाह हर समय आप से कुछ न कुछ मागता रहे, उस समय आपको इस गुण की बहुत जरूरत होती है। जब देश का हाकिम या कमाण्डर अच्छा होगा व दोवस्त अच्छा होगा, उसको इन सब खूबियो की कोई आवश्यकता नही। एक अच्छे देश को ऐसे गुणी लोगो की जरूरत ही नही—मेरी बला से वह सीधे सादे, ईमानदार या डरपोक हो।

कमाण्डर तुम्हारा बाप भी फौज म रहा होगा ?

ऐलिफ कहते हैं एक बहादुर सिपाही था। मेरी मा न मुझे फौज मे जाने के बारे मे चेतावनी दी थी। उसका एक गीत मुझे याद है।

कमाण्डर सुनाओ, हमें वह गीत सुनाओ ! (जोर से) गोश्त ले लाओ।

ऐलिफ उसको मद्यपान और फौजी का गीत कहते है।

(जगी नाच करते हुए गाता है)

बनो समझदार रहो हाशियार, लडके न उनका समझाया
नासमझी का काम मत करो बार बार फिर बरजाया
जिस्म के जर्रे जर्रे का ब दूक उडाकर रख दगा
हडडी पसली, अतडी मे बारूद के छर्रे भर दगा
बाट जोहता है पानी तुझको तो वो खा जाएगा
दूर रहो तुमको मुकाबला उससे भयाकर आएगा।
फौजी फिर भी हसे साथ बन्दूक उठाकर के भागे
फिक्र नही मरनेवाला को सभी अभागे है आगे
मनवर जगी नक्कार वो हाथ मे खजर ले बाले
जाएगे हम उत्तर दक्खिन क्या मूरख वे क्या भाले
अरे फौजियो ! सीख हमारी भी क्या तुम ठुकराओगे
लडकी कहती रही 'बुजुर्गों की भी बात न मानोगे
कहती हू पछताओगे पछताओगे पछताओगे
खौफनाक मजर ही होगा वहा नही कुछ पाओगे
रख म्यान मे खजर फिर भी फौजी वाले मुस्काते
पानी क्या बिगाड सकता है शरा जमे दराते
चमकगा जब चाद गगन म तब हम वापस आएगे
दुआ तुझे करनी है, ता कर, हम जाते हैं, जाएग'
(अन्त मे मा भी गाने लगती है)

दिनेर मा 'अरे फौजियो ! बोली औरत गुस्से सब मर जाओगे
धुआ बिखर जाता है जस हस्ती सभी गवाओगे

मत समझो यह काम तुम्हारा मुझमे ताक्त लाएगा
हाय खुदा ही तुम्हे बचाए धुआ बिखरता जाएगा'
पुरा थाम व दूक उठाकर फौजी उतरे पानी मे
पानी को तो इतजार था डूब गए सब पानी मे
चमक रहा था चाद गगन में मगर दीखता था ठण्डा
उतराती थी लाशें उनकी पानी था वहद ठण्डा
उस औरत ने ठीक कहा था बात बडी दुखदाई है
सच्ची बात न मान समझो उसकी मति भरमाई है

कमाण्डर मेरा बावर्चीखाना भी खूब है। जा जी म आय करत ह।

ऐलिफ (मा के गले मिलकर) आ मा ! और लाग कहा ह ? कसे हैं ?

मा पानी मे कुलल करती हुई बत्तखा की तरह खुश ! स्विस चीज दूसरी रेजीमट का खजाची है। लडाई मोर्चे से दूर है। जग से दूर रहना तो मुश्किल था।

ऐलिफ तुम्हारे पाव तो जमे हुए ह न ?

मा सुबह जूते पहनते हुए कभी कभी तक्लीफ हाती है।

कमाण्डर (आकर) तो तुम इसकी मा हो ! इस बरखुरदार जमे और बेट ह मेरे लिए ?

ऐलिफ मेरी खुशकिस्मती है। तुम बावर्चीखान म बठी अपन बट की दावत हाते देखती रही।

मा हा ! मैं तुम्हारे कारनाम सुन रही थी। (कान मराडती है।)

ऐलिफ मैंने बल छीने, इसलिए ?

मा नही इसलिए कि जब चार किसान तुम पर टूट पडे और तुम्हारा कीमा बनाने की कोशिश की—तुमन हार नहीं मानी। मैंने तुम्हे अपनी देख भाल करना नही सिखाई थी—शतान ?

(पादरी और कमाण्डर दरवाजे मे खडे हसते हैं)



तीसरा सीन

(तीन बरस बीत गये। फिनिश रेजीमेंट के साथ मा, कैदी बना ली जाती है। बेटी और गाडी बच जाते हैं। ईमानदार बेटा मर जाता है।)

एक कैम्प

(रेजीमेंट का झण्डा फहरा रहा है। दोपहर—हर किस्म के बरतन गाडी से लटक रहे हैं। कपडे सुखाने वाली रस्सी एक तरफ गाडी से दूसरी तरफ तोप के मुह से बधी है। मा एक अफसर से गोलियो की एक बोरी खरीदने के लिए बहस कर रही है। खजाची की वर्दी मे स्विस चीज खडा देख रहा है। ईवेटी ब्राण्डी का गिलास सामने रखे रगीन हैट सी रही है। लम्बे मोजे पहने हैं। लाल जूते पास पडे हैं।)

अफसर मुझे पैसे चाहिए इसीलिए तुम्हे यह गोलिया सिर्फ दो गिल्डर मे दे रहा हू। करनल अपने दोस्तो के साथ तीन दिन से पी रहा है। शराब कम पड गई है।

मा यह फौज का माल है। मेरे पास पकडा गया तो कोर्ट मार्शल कर देंगे। और तुम हरामखोरो, गोलिया तो यू बेच देते हो और जवानो को खाली हाथ लडने के लिए भेज देते हो।

अफसर अरे छोडो भी न। तुम मेरी चम्पी करो मैं तुम्हारा करूंगा।

मा मैं फौजी माल नहीं खरीदूंगी। इस कीमत पर तो कभी नहीं।

अफसर तुम इनको छ आठ गिल्डर में चौथी रेजीमेंट के अफसर को बेच सकती हो। रसीद बारह गिल्डर की देना। उसके पास एक भी गोली नहीं।

मा तुम खुद क्या नहीं बेच देते?

अफसर वह साला मेरा जिगरी दोस्त है। मुझे उस पर विश्वास नहीं।

मा (थैला लेकर) लाओ दे दो! (कथरीन से) इसको उधर ले जाओ और डेढ़ गिल्डर दे दो। (कथरीन अफसर के साथ जाती है। स्विस चीज से) यह लो अपना अंगोछा। सम्भाल कर रखना। अक्तूबर आ गया है। सर्दी कभी भी शुरू हो जाएगी। मैंने यह नहीं कहा जरूर शुरू हो जाएगी क्योंकि मेरा तजुर्बा है कि जरूरी कोई चीज़ नहीं होती। मौसम भी नहीं। तुम्हारा हिसाब किताब ठीक मिलना चाहिए। तुम एक रेजीमेंट के खजांची हो हिसाब किताब ठीक है न?

स्विस हां मां!

मा याद रखो! तुम ईमानदार हो और रुपया लेकर भागने की हिमाकत नहीं करोगे। इसलिए उन्होंने तुम्हें खजांची बनाया है। और यह अंगोछा मत खो देना

स्विस नहीं मां! मैं इसको बिस्तर के नीचे रखा करूंगा। (जाने लगता है।)

अफसर मैं तुम्हारे साथ चलता हूं खजांची साहब!

मा देखो। इसको कोई उल्टी पट्टी मत पढ़ाना। (अफसर और स्विस चीज़ जाते हैं।)

ईवेटी गुडनाईट तो कहते जाओ।

मा वह स्विम चीज की सोहबत के काबिल ही नहीं। जग की शुरुआत तो अच्छी है। सब देशों को इसकी चपट में आते तक चार पांच बरस तो बीत ही जाएंगे। मेरा अंदाजा गलत नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में खूब कमाई होगी। तुम अच्छी तरह जानती हो इस बीमारी की हालत में तुम्हें सुबह सुबह पानी नहीं चाहिए।

ईवेटी किसने कहा मैं बीमार हूं ?

मा सभी कहते हैं।

ईवेटी बकते हैं ! मैं परेशान जरूर हूं दिलेर मां ! ऐसी ही बक-वास से तंग आ गई हूं। वह मेरे से इस तरह दूर भागते हैं जैसे मैं कोई सड़ी हुई मछली हूं। मैं भला किसलिए हैट की मरम्मत कर रही हूं। (हैट फेंक देती है।)
इसीलिए मैं सुबह सुबह पीना शुरू कर देती हूं। पहले नहीं पीती थी। लगता है मेरे पंख निकल आए हों। लेकिन अब कोई परवाह नहीं। रेजीमेंट का हर आदमी मुझे जानता है। पहला धोखा खाने के बाद मुझे घर पर ही रहना चाहिए था। लेकिन स्वाभिमान हम जैसों के लिए नहीं है। धूल फांको नहीं तो जाओ भाड़ में।

मा अब तुम मेरी भोली भाली बेटी के सामने अपने दोस्त पीटर का किस्सा मत छेड़ देना।

ईवेटी इसको तो जरूर सुनना चाहिए जिससे यह प्यार व्यार के चक्कर से बची रहे।

मा इस चक्कर से बचना तो मुश्किल है।

ईवेटी मैं तुम्हें सुनाकर अपने दिल का बोझ हल्का कर लेती हूं। मैंने पोलैण्ड के खेतों में परवरिश पाई। वहीं सब शुरू हुआ। न मैं उसे वहां देखती। न मैं आज पोलैण्ड में होती। वह एक फौजी खानसामा था। सुनहरी बाल। छरहरा बदन। क्थरीन ! मैं तो छरहरे आदमियों से न बच सकी तुम होशियार रहना। मुझे पता नहीं था, मेरे से पहले

भी उसकी एक प्रेमिका थी जो उसे पीटर पाइप कहा करती थी। क्योंकि वह मुह से पाईप कभी नही निकालता था। उसे फर्क ही नही पडता था।

(गाती है)

दुश्मन जब आया गावा मे तब मैं सोलह साल की था
म्यान म रखकर कटार उसन मरी कलाई थामी थी
मई परेड के बाद जब हुई रात मई की जवा
जग के नक्कारो म तब ही गूज उठा आसमा
दुश्मन मुझे खीच ले आया घाटी के पीछे
मै भी खिची चली आई थी आखो को मीच
वहा गले मे उसन मेरे पहिनाया बाहो का हार
म नफरत करती थी उससे लेकिन करती भी थी प्यार
मई परेड के बाद जब हुई रात मई की जवा
जग के नक्कारो से तब ही गूज उठा आसमा
प्यार अनोखा अजब मिला उस दुश्मन से मुझको
धीरे धीरे भूल सी गई मैं अपनी नफरत को
घडी बुरी आई तब इक दिन डूबा किस्मत का तारा
चौराहे पर जग के बाजो ने फौजो को ललकारा
दुश्मन जो मेरी जा था वो भी उसम शामिल था
चला गया वो गाव से मेरे टूटा मेरा दिल था।"
मेरी भूल थी जो उसके पीछे भागती फिरी। मैं उस कभी न पा सकी। अब तो दस बरस बीत गए। (गाडी के पीछे जाती है।)

मा अपना हैट तो लेती जाओ!

ईवेटी वो तो चिडिया के लिए है।

मा ईवेटी से सबक सीखो कथरीन! फौजी से दिल मत लगाना। प्यार जन्नत से उतर कर आई हुई परी की तरह मन को लुभाने वाला होता है। सम्भल कर रहना। जो

नोग फौज म नही हैं उनके साथ भी जि दगी फूलो की मज नही होती। वह कहेगा मैं तुम्हार पाव चूमना चाहता हू वल धोए थे कि नही और अगर तुम होशियार नही हो तो पत्ता कट जि दगी भर गुलामी करागी। शुक्र करो तुम गूगी हो। तुम्हे अपन कहे पर अफसोस तो न होगा। कह कर मुकरना तो नहीं पडेगा। गूगापन ईश्वर का वरदान है कमाडर का बावर्ची आ रहा है। बौत लाया हुआ क्या है ?

(बावर्ची और पादरी आते हैं।)

पादरी तुम्हारे बेटे एलिफ का पगाम लाया हू। बावर्ची भी मेर साथ चला आया। तुमन इस पर रग जमा दिया है।

बावर्ची मैंने सोचा मैं जरा चहलकदमी ही कर आऊ !

मा जरूर करो चहलकदमी, लेकिन हद मे रह कर करना। न भी रहोग तो क्या। तुम जस स तो निपट ही सकती हू। और यह ऐलिफ क्या चाहता है ? मेरे पास फालतू पसा नही है।

पादरी मैं उसके भाई के लिए पगाम लाया हू

मा वह यहा नही है। वह कहीं भी नहीं है। वह अपन भाई का खजाचो नही है। और मै उसे किसी लालच म आन नही दूगी। ऐलिफ से कहो कोई और घर देखे ! (पेटी से पसे निकाल कर।) शम आनी चाहिए उसे ! वह मा के प्यार का नाजायज फायदा उठा रहा है।

बावर्ची ज्यादा दर नही अब—उसे अपनी रजीमेट क साथ जाना पडेगा। शायद मौत क मुह से वापस ही न आए। कुछ और पसा भेज दो नही तो बाद म अफसोस होगा। तुम औरत लोग पहले तो बहुत मस्ती करती हो। बाद म पछताती हो। एक गिलास ब्राडी की कीमत क्या है ? वह नही देंगी और यह भूल जाता है आदमी जब एक बार ■ फुट धरती म दफन हो जाएगा तो कभी बाहर नहीं

रहत हैं। अब दगा स्वीडन का बादशाह अमन चा स लौट रहा था। ता इन्होंने उस पर हमला कर दिया। खुद-ब-खुद मुजरिम बन गए। भला इसकी क्या जरूरत थी? अब उनका खून उन्हीं के सर है।

पादरी जो भी हो। हमारे बादशाह का इरादा इन लोगों को आजादी दिलाने का था। कैसर ने जरमनों और पोलों को गुलाम बना रखा था। हमारा बादशाह उनको आजाद करवाने पर मजबूर हो गया।

बावर्ची जानती हो, मैं क्या सोचता हूं? तुम्हारी सेहत के बारे में। तुम्हारी शराब बहुत बढ़िया है। सूरत से मैं कभी धोखा नहीं खाता। (कथरीन उनको तरफ देखती है। काम छोड़कर हैट के पास जाती है। उठाती है। लाल जूते उठाती है।) और यह लड़ाई धर्म की लड़ाई है। (कथरीन जूते पहनती है।)

अब बादशाह गस्टावस की बात ले लो। जर्मनी को आजाद कराने में उसका दीवाला निकल गया। अपने मुल्क स्वीडन में नमक पर टक्स लगाना पड़ा। गरीबों को यह अदा जरा न भाई। वह नाराज हो गए। और यह जर्मन अपने कैसर से यूं चिपके हुए थे कि उनको आजाद करवाने के लिए हजारों को बंद करवाना पड़ा। कई एक के तो सर उड़वाने पड़े। ऐसी बात भी नहीं थी कि कोई आजादी नहीं चाहता हो। ऐसा होता तो हमारे बादशाह को मजा ही क्या आता। पहले उसने पोलण्ड को बदमाशों से बचाने की कोशिश की। खास तौर पर कैसर से। फिर जैसे खाना खाने से उसकी भूख बढ़ने लगी। वह जर्मनी की भी हिफाजत करने लगा। अब जर्मनी ने डट कर मुकाबला किया। बादशाह बेचारे चले थे भलाई करने। बदले में मिली बदनामी और बेकार की परेशानी। पैसा वसूली के लिए टक्स लगाने पड़े जिससे

मारकाट हुई। हमारे बादशाह ने वह भी किया। एक चीज उसके हक मे जरूर थी। वह था खुदा का नाम, नही तो लोग कह सकते थे, उसने जो कुछ किया है अपने फायदे के लिए किया है। जमीर भी साफ रहो। जमीर का उसने खास खयाल रखा था।

मा लगता है तुम स्वेडो नही हो। होते तो बादशाह के लिए ऐसा कभी नहीं बोलते।

पादरी और तो और—उसी की रोटी खाते हो!

बावर्ची मैं उसकी रोटी खाता नही, पकाता हू।

मा उसे कोई शिकस्त नही दे सकता। बताऊ क्यो? उसकी प्रजा उस पर विश्वास रखती है। बडे-बडे आदमियो को बात करते हुए सुनो। लगता है वह खुदा के डर से जग कर रहे है या दुनिया की भलाई के लिए। जरा पास से देखा तो मालूम होगा वह इतने सीधे नहीं हैं। वह भी खूब नफा कमाना चाहते हैं। नही तो हम आप जसे छोटे लोग उनकी मदद कसे करेंगे?

बावर्ची बिल्कुल ठीक!

पादरी तुम डच्च हो, इसलिए बात करने से पहले देख लिया करो झडा कौन सा फहरा रहा है।

मा खुदाई खिदमतगार।

बावर्ची जिन्दाबाद।

(कयरीन ईवेटी का हैट पहन कर उसकी चाल की नकल करने की कोशिश कर रही है। अचानक तोप और गोलियों की आवाज। नक्कारा! मां, बावर्ची और पादरी गाडी के आगे आते हैं। बावर्ची तथा पादरी के हाथ मे गिलास है। तोपखाना का अफसर और एक सिपाही भाग कर आते हैं और तोप को धकेलने की कोशिश करते हैं।)

मा अरे! अरे! यह क्या कर रहे हो हरामखोरो! तोप से मुझे अपने कपडे तो उतार लेने दो।

अफसर — कैथोलिकम, अचानक हमला, पता नहीं हम बच भी पायेंगे। (सिपाही से) तुम यह तोप लेकर आओ। (भाग जाता है।)

बावर्ची — या खुदा! मुझे अपने कमाण्डर के पास जाना चाहिए। दिलेर मां, मैं एक दो दिन में फिर आऊंगा। जरा गप-शप करेंगे। (जाता है।)

मां — अरे रे रे! अपना पाईप तो लेते जाओ!

बावर्ची — अपने पास रख छोड़ो। मुझे फिर जरूरत पड़ेगी।

मां — यह होना ही था। मेरी कमाई शुरू हुई थी न

पादरी — मुझे भी जाना पड़ेगा। दुश्मन इतना नजदीक हो तो [illegible] खतरनाक हो सकता है। अमन पसन्दों पर खुदा की रहमत [illegible] ठीक है। अगर कहीं से एक चोगा मिल जाता तो

मां — मैं चोगा वगैरह कुछ नहीं दूंगी। जान बचाने के लिए भी नहीं। पहले बहुत तजुर्बा कर चुकी हूं।

पादरी — लेकिन मेरी जान को खास खतरा है। मेरे धर्म की वजह से।

मां — (चोगा देती है।) यह मेरे असूलों के खिलाफ है। अब भाग जाओ।

पादरी — बहुत बहुत शुक्रिया! तुम बहुत रहमदिल हो। लेकिन मैं यहां ही क्या न रुक जाऊं! भागकर खामखाह दुश्मन की नजर में पड़ जाऊंगा।

मां — (सिपाही से) इसे यहीं रहने दो बुद्धू। तुम्हें इसके लिए [illegible] जाओ। मैं सम्भाल लूंगी।

सिपाही — (भागते हुए) तुम मेरा गवाह हो। मैंने कोशिश की (थी)।

मां — हां हां! मैं कसम खा लूंगी। (कैथरीन को हैट में देखकर) और तुम यह फाहिशा औरत का हैट पहन कर क्या कर

रही हो ? उतार कर फेंक दो। इसी वक्त ! दिमाग चल गया है क्या ? दुश्मन सर पर आ रहा है। (उतार देती है।) तुम चाहती हो तुम्हे उठाकर ले जाए और रंडी बना दें। और लो, जूते भी पहन रखे है जैसे सीधी काबुल से चली आ रही हो। अभी खबर लेती हू। (उतारती है।)

खुदा की मार। ओ पादरी साहब ! जरा यह जूते उतारो, मैं अभी आती हू। (गाडी मे जाती है।)

ईवेटी (चेहरे पर पाउडर लगाती आती है।) क्या कहा तुमने, कथोलिक आ रहे है। मेरा हैट कहा है ? अरे कौन इस पर कूद रहा था ? मैं अब यह पहन कर कसे जा सकती हू। वह मेरे बारे मे क्या सोचेंगे। मेरे पास आईना भी तो नही। (पादरी से) मै कसी लगती हू ? पाउडर ज्यादा तो नही ?

पादरी जी जी जी हा ठीक है।

इवेटी मेरे जूते कहा है ? (कथरीन छुपा कर बठी है।) मैं यहा छोडकर गई थी। कितनी शरमनाक बात है। मुझे नंगे पाव जाना पडेगा। (जाती है। स्विस चीज़ कैश बाक्स के साथ आता है।)

मा (हाथ राख से भरे हैं—कथरीन से) राख लाई हू। (स्विस से) यह क्या है ?

स्विस रेजीमेंट का कैश बाक्स !

मा फेंक दो इसे। तुम्हारे खजाचीपन के दिन खत्म हो गए।

स्विस मेरी निगरानी मे है। (गाडी के पीछे जाता है।)

मा अपना मुह [illegible] उधर हो [illegible] हो न हो पहचाने जाओगे। (कथरीन को राख मलती है।) [illegible]
हिला मत। थोड़ी धूल लगा [illegible] जाओगे। क़यामत से कम नही हो। कहते हैं—दीये को आंचल मे छुपा कर रखना चाहिए नशे मे धुत्त सिपाही को खूबसूरत चेहरा

नज़र आया नहीं कि एक तबाईश बढ गई दुनिया म। ख़ास तौर से सिपाही क्थालिक हो तो। हफ्तों तक कुछ नहीं मिलता। और जब मिलता है तो औरतों पर टूट पड़ते हैं। बस काफी है। ज़रा देखू तो। बुरी नहीं लगतीं। ऐसा लगता है तुम कीचड़ म लोटती रही हो। काप क्या रही हो ? कुछ नहीं होगा अब। (स्विस से) कश बाक्स छोड आए ?

स्विस मैंने सोचा गाडी में ही रख दू।

मा क्या मेरी गाडी म ? ख़ुदा की मार तुम पर। पक्के बेवकूफ हो। ज़रा मेरी नज़र चूके और हम तीनो फासी पर लटकते नज़र आयें।

स्विस कही और रख देता हू—या लेकर भाग जाता हू।

मा तुम जहा हो वही रहो अब देर हो गई है।

पादरी (कपडे बदलते हुए) या ख़ुदा ! वह झडा ?

मा ख़ुदा की मेहर। पच्चीस बरस से यू ही नगा है। याद भी नहीं रहा। (तोप की आवाज़ बढती है।)

× × ×

(तीन दिन बाद। सुबह। तोप गायब है। मा, स्विस, पादरी, कथरीन खा रहे हैं।)

स्विस तीन दिन हो गए। बेकार यहा बैठा हू। हवलदार कितना मेहरबान था। कह रहा होगा—यह स्विस चीज़ कश बाक्स लेकर कहा गायब हो गया !

मा शुक्र मनाओ दुश्मनो को ख़बर नहीं हुई।

पादरी मेरा क्या होगा ? पूजा भी नहीं कर सकता। धर्म ग्रन्थ मे लिखा है अफरात से ज़ुबान बोलती है" लेकिन क्या मजाल जो मेरी ज़ुबान से एक लफ्ज़ भी निकला हो।

मा एक अपना धर्म लिए बैठा है, दूसरा कश बाक्स। पता नहीं दोनो मे ज़्यादा ख़तरनाक कौन है।

पादरी ख़ुदा का ही आसरा है अब तो !

मा मेरा ख्याल है इतनी बुरी हालत नही हुई अभी। बस रात को नीद मुश्किल से आती है। स्विस चीज़ नही होता तो ज़रा आसानी होती। फिर भी मेरी चाल सफल रही। मैंने कहा। मैं काफिरो के खिलाफ हू। वह सर पर सीग वाला स्वीडी है। मैने बताया, मैंने उसका बाया सीग देखा है। वह सवाल करते, मैं पूछती पवित्र मोमबत्तिया सस्ती कहा मिलती है। मुझे मालूम था कथोलिक मोमबत्तियो का बडा मानत ह क्योकि स्विस चाज का बाप भी कथोलिक था और इन रस्मो की खिल्ली उडाया करता था। उन्ह यकीन तो नही आया लेकिन उन्ह एक कैंटीन की ज़रूरत है इसलिए उन्होने आखें बन्द कर ली हैं। शायद सब कुछ भले के लिए ही होता है। हम कैदी है। कैदी तो कीडे मकोडे भी हैं।

पादरी दूध अच्छा है। लेकिन हमे अपनी स्वीडी भूख कम करनी पडेगी। हार जो गए है।

मा कौन हार गया है ? ज़रूरी नही ह, बडे लोगो की जीत या हार छोटे लोगो की जीत या हार भी हो। कई बार ऐसा हुआ है बडे लोगो की हार छोटो की जीत हुई है। इज्ज़त चली गई। क्या फर्क पडता है। लिथानिया म एक बार हमारा कमाण्डर बुरी तरह पिटा। अफरा-तफरी मे एक जानदार घोडी मेरे हाथ लगी। सात महीने तक मेरी गाडी खीचती रही। हम जीत गए और लूटमार का हिसाब हुआ। वापस करनी पडी। जीत हो या हार। हम जसे गरीबो को दोनो ही महगी पडती हैं। सियासत मे फसने की बजाय अच्छा है, आदमी दलदल मे फस जाए।

(स्विस से) आओ !

स्विस मुझे अच्छा नही लगता। हवलदार अपने जवानो को तनख्वाह कैसे देगा ?

मॉ भगोडो को तनख्वाह नही मिलती।

स्विस वह भाग तो सकते है। वह सकत हैं तनख्वाह नही मिलेगी ता हम भागेंग नही। वह हिलने से इन्कार कर देंगे।

मा स्विस चीज ! तुम्हारी फज की पाबन्दी स मुझे डर लगता है। मैंने तुम्हे ईमानदार बनने का कहा इसलिए कि तुम ज्यादा चालाक नही थे। लेकिन हद मे मत बढो ! मैं पादरी के साथ कथोलिक झण्डा और गोश्त लेने जा रहा हू। इससे बढिया गोश्त सूघ कोई नही। इसके मुह म आये पानी से मालूम हो जाता है गोश्त अच्छा है या नही। भला हो उनका, मेरी कन्टीन बन्द नही की। व्यापार म भाव पूछते है। धम नही। प्रोटस्टट पतलूनें भी कम गम नही होती।

पादरी जब राहब ने कहा, 'शहर हो या गाव, सूयर भगत उनका इज्जत से रखेंगे। उस वक्त धम गुरु ने कहा, 'भिखारियो की जरूरत ता रहेगी।' (मा गाडी मे जाती है।) उसको कश-बाक्स की फिक्र है। अब तक तो उन्हान हम गाडी का हिस्सा समझ कर परवाह नही की। लेकिन कब तक ?

स्विस मैं उससे पीछा छुडा सकता हू !

पादरी यह ता और भी ज्यादा खतरनाक बात है। अगर वह देख लें तो ? चारो तरफ उनके जासूस हैं। कल सुबह जहा मैं हलका हो रहा था, उसी खदक म से एक कूद कर बाहर निकला। भाडा फूट जाता। इतना अचानक हुआ यह सब कि मैं दुआ पढता पढता रह गया। मरा ख्याल है कि प्रोटस्टन्ट को पहचानने के लिए वह उनका अहम पाखाना सूघते हैं। जासूस जरा सख्त जान था। एक आख पर पट्टी बधी थी।

मा (टोकरी लिये आती है।) शतान की खाला। पकडी गई आखिर ! (ईवेटो के बूट हाथ मे हैं।) ईवेटो के बूट !

तुमने उसे कह दिया ये हसीना कौन है और ये बूटो के पीछे पड गई। (टोकरी मे डालती है।)
ईवटो के जूता की चोरी। वो पैसे के लिए इज्जत वेचती है, तुम झूठी खुशी के लिए। मैंने वस्ट्ह कहा ना, अमन होने दो, अपनी इस मोरनी जसी चाल को सभाल कर रखो। ये सिपाहियो के लिए नही है।

पादरी मुझे तो मारनी जैसी नही लगती।

माँ अपने आपको वहुत कुछ समझती है। जब कोई कहता है, अरे इस वेचारी को तो मैंने देखा ही नही तो मुझे बहुत अच्छा लगता है। जब वो पत्थर की मूरत बन जाती है तो और भी अच्छी लगती है। (स्विस से)
कश बाक्स जहा है वही रहने दो और अपनी वहन की फिकर करो, तुम्ही मेरी मौत का सामान बनोगे। मैं परो की बोरी सभाल रखू! (मादरी के साथ जाती है। कथरीन प्लेटें उठाती है।)

स्विस दिन दूर नही जब आप आराम से धूप सेंक सकेंगे। (कथरीन पेड की तरफ इशारा करती है।)
हा पत्ते पहले ही सूख चले हैं। (कथरीन इशारे से शराब के लिए पूछती है।)
नही, कुछ नही पीऊगा! मैं सोच रहा हू— (रुक कर) मा कहती है वह सो नही पाती। मुझे कश बाक्स ले ही जाना चाहिए। मैंने एक जगह देखी है। समय आने तक उसे नदी के किनारे एक खोह मे रख छोड़ूगा। शायद आज रात को ही सूरज निकलने से पहले रेजोमेंट तक ले जाऊ। तीन दिन मे वहा तक भाग सके होगे। हवलदार की आखें फट पड़ेंगी। कहेगा—स्विस चीज तुमने तो कमाल कर दिया। तुम पर यकीन किया, कश वाक्स तुम्हे सौंपा और तुम वो लेकर वापस आ गये! कथरीन अब मैं एक गिलास पीऊगा।

(क्यरीन गाडी के पीछे जाती है। उसे दो आदमी मिलते हैं। एक हवलदार है। दूसरा भुक्कर हैट हिला कर सलाम करता है। उसकी आंख पर पट्टी बधी है।)

प० वाला सुबह मुबारिक नौजवान औरत ! तुमने दूसरी प्राटस्टन्ट रेजीमट का कोई आदमी देखा है ?

(घबरा कर वह ब्राण्डी गिराते हुए भागती है। दोनों आदमी एक दूसरे को देखते हैं। स्विस चीज को देखकर छिप जाते हैं।)

स्विस (चौंककर) अरे अर, ब्राण्डी गिरा रही हो—क्या हुआ तुमको—देखा तो सही, कहा जा रही हो ! तुम्हारी बात मेरे पल्ले नही पडती—जो भी हो, मैंने फैसला कर लिया है—अब जाना ही होगा।

(उठ जाता है। कैथरीन हर तरह से उसे खतरे से आगाह करने की कोशिश करती है। वह उसे एक तरफ ढकेल देता है।)

पता भी तो चले तुम चाहती क्या हो। जानता हू तुम भला चाहती हो लेकिन कह नही सकती। ब्राण्डी की फिक्र मत करो जिन्दा रहूगा और बहुत पीऊगा। एक गिलास क्या होता है। (कश-बाक्स गाडी से निकाल कर कोट मे छिपाता है।)

मैं अभी गया और आया। मुझे रोकने की कोशिश मत करना, नही तो डाट दूगा। भला चाहती हो—काश, तुम बोल सकती !

(रोकने की कोशिश करती है—माथा चूम कर अपने आपको छुडा लेता है। वो आवाजें करती इधर उधर भागती है—पादरी और मा आते है। उनकी तरफ जाती है।)

मा क्या हो रहा है—यह क्या हो रहा है कथरीन ? सम्भलो जरा। किसी ने कुछ तुम्हे किया है ? स्विस चीज कहा

है ? (पादरी से) खड़े मत रहो! कथालिक झंडा लगा दो। (टोकरी से झंडा निकालती है। पादरी उसे लटकाता है।)

पादरी (गुस्से से) कथोलिक जिंदाबाद!

मा सबर करो कैथरीन, बताओ क्या हुआ? तुम्हारी मा समझ जाती है। क्या? वो हरामी का पिल्ला स्विस-चीज़ ले गया? मैं उस बदमाश के कान उखाड़ दूंगी। बालने की कोशिश मत करो। इशारों से बताओ तुम्हारा कुत्ते की तरह बिलबिलाना मुझे अच्छा नहीं लगता। पादरी क्या सोचेगा। वो ऐसे ही कांप रहा है। एक आंख वाला आदमी आया था?

पादरी एक आंख वाला आदमी जासूस क्या वो स्विस चीज़ को पकड़ कर ले गय? (कथरीन सिर हिलाती है।) अब गया बेचारा! (बाहर आवाजें। दो आदमी स्विस चीज़ को लाते हैं।)

स्विस मुझे जाने दो। मेरे पास कुछ नहीं। मेरे कंधे की हड्डी क्या तोड़ रहे हो। मैं बेकुसूर हूं।

हवलदार यही से गया है। यह इसके दोस्त हैं।

मा हम? कब से?

स्विस मैं इनको नहीं जानता। मैं तो सिर्फ खाना खा रहा था। दस हेलर देने पड़े। मुझे बेंच पर बैठे देखा होगा। नमक ज्यादा था।

हवलदार तुम लोग कौन हो?

मा हम कानून के पाबंद शहरी हैं। इसने जो कहा है ठीक कहा है। इसने खाना खरीदा था और उसमें नमक ज्यादा था।

हवलदार तो तुम इसे नहीं जानते?

मा मैं इन सबको कैसे जान सकती हूं, बताओ तो। मैं यह तो नहीं पूछती, तुम्हारा नाम क्या है। तुम काफिर हो या

नही। मरा पसा द दें तो मरे लिए काई काफिर नही —
तुम हो क्या ?

स्विस — नही तो !

पादरी — एक शरीफ आदमी की तरह वहा बठा था। एक बार भी इसन मुह नही खोला। हा खाना खान के लिए खोला था। वो जरूरी था इसलिए।

हवलदार — तुम किस खेत की मूली हो ?

मा — यह—यह मेरा बरा है। तुम्ह प्यास लगी होगी, थकान से पाव दुख रहे हाग। ब्राण्डी लाती हू !

हवलदार — ड्यूटी पर ब्राण्डी नही ! (स्विस से) तुम कुछ उठाय हुए थे। जरूर नदी के किनारे छुपा दिया होगा। तुम्हारी कमीज हमन उभरी हुई देखी थी।

मा — तुम्हे विश्वास है, यही था ?

स्विस — तुमने किसी और का देखा होगा। हा एक आदमी था जिसने कमीज मे कुछ छिपा रखा था। मैंन भी दखा था। मैं ता दूसरा आदमी हू !

मा — मेरा भी यही रयाल ह। कोई गलतफहमी जरूर हुई है। सभी को हो जाती है। मैं दिलेर मा हू। मेरे बारे मे तुमने जरूर सुना हागा। मुझे सभी जानते है। मैं तुम्हे बता सकती हू, यह शरीफ आदमी है।

हवलदार — हम एक रेजीमेंट का कश-बाक्स ढूढ रहे हैं। जिसके पास वो था, हम उसे पहचानते हैं और दा दिन से ढूढ रहे हैं। और वह तुम हो।

स्विस — नही, मैं नही हू !

हवलदार — नही बताओग तो जान से जाओग, समझे ! बताओ कहा है ?

मा — (जल्दी से) वह अपनी जान बचाने के लिए जरूर तुम्ह दे देगा। यह भी कह देगा हा है मेरे पास य रहा। तुम ताकतवर हो ना। यह बेवकूफ नही है। मुह से फूटा तो

मही बुद्दू ! हवलदार तुम्हे एक मौका दे रहा है।

स्विम मरे पास न हो तो क्या करू ?

हवलदार चला मेरे साथ—हम निकलवा लेंगे ! (ले जाते हैं)

मा (चीखते हुए) वह तुम्हे बता देगा—वह बेवकूफ नही है। उसके कन्धे की हड्डी मत तोड देना। (उनके पीछे जाती है)

× × ×

(उसी शाम ! पादरी और कथरीन गिलास धो रहे है और चाकू पालिश कर रहे हैं।)

पादरी धर्म की तारीख मे लोगो के ऐसे पकडे जाने के किस्से कम नही है। खुदावन्द करीम, मुकद्दस बाप का एक किस्सा मुझे याद आ रहा है, एक गीत है उसके बारे मे

गीत

दिन का था पहला पहर
तब बजा खूनी गजर
सीधे सादे इक मसीहा का दिया खूनी करार
हाय रे किस्मत की मार, हाय रे किस्मत की मार
बुत परस्त पिलाट के आगे खडा उसको किया
सामने आंधी के जैसे थरथराता इक दिया
पिलाट तो ठहरा नही पाया उसे कुसूरवार
कोई वजह मिल न पाई के बने वो गुनहगार
इसलिए भेजा मसीहा को हेरोडस के हुजूर
वो करेंगे फैसला खुद देखकर इसका कुसूर
दिन के तीजे पहर ने डाली मसीहा पर नजर
जैसे इक जख्मी परिंदा या हो पतझर का शजर
ताज कांटो का था सर पर सर था खू से तर बतर

क्रूस उठाए चल रहा था मौत की काली डगर
छह बजे नगा उसे करके चढाया क्रूस पर
जिस्म जख्मो था दुआ म पर झुका था उसका सर
दिल का दहला द वो मजर था मगर सब हस रह
क्रूस पर लटके बशर पर फब्तिया थे कस रह
एक इसाँ के लिए इमान का ऐसा मजाक
डूबते सूरज का दिल तब हो गया था चाकचाक
नौ बजे, छोडो मुझे, बोला मसीहा चीखकर
बद उसका मुह किया सिरके का कपडा ठूसकर
मर गया आखिर मसीहा रह गए थे लब खुले
फट गई धरती की छाती मदिरो के दिल हिले
काप उठठी थी चटानें इस घिनोने काम पर
रात की आखें भी नम थी आदमी के नाम पर
हड्डिया भी तोड डाली जालिमो ने रात को
जुल्म की हद नोच डाला लाश के हर हाथ को
टूटे बाजू से बहा कुछ खून था कुछ पानी था
जालिमो के वास्ते मजमून था कहानी का

मा (आते हुए) जिन्दगी या मौत का सवाल है। लेकिन हवलदार अभी भी हमारी सुनगा। उसे यह पता नही लगना चाहिए कि यह हमारा स्विस चीज ह। नही तो वह समझ जायेंगे हमने उसकी मदद की है। पैस की ही तो बात है। लेकिन पैसा कहा से आयेगा। ईवेटा नही आई ? रास्ते मे मिली थी। एक बूढे करनल के साथ थी। शायद वह उसे केटान खरीद दे।

पादरी तुम गाडी बेच दोगी ?

मा हवलदार को देने के लिए पसे कहा स लाऊ ?

पादरी जिन्दा कसे रहोगी ?

मा कुछ करूगी। (एक बूढे करनल के साथ ईवेटी आती है।)

ईवेटी (मा को गले लगाकर) प्यारी दिलेर मा से फिर

मुलाकात। (धीरे से) उसने इनकार नहीं किया। (ऊंचे) यह मेरे दोस्त है—मेरे कारोबार के सलाहकार है। मैंने सुना है तुम गाड़ी बेच रही हो। हालात कुछ ऐसे है इसे खरीदने के बारे मे सोच रही हू।

मां मैं इसको गिरवी रखना चाहती हू। बेचना नही। ऐसी कोई जल्दी भी नही। लड़ाई के दिनो म ऐसी दूसरी गाड़ी कहा मिलेगी ?

ईवेटी (निराश) सिर्फ गिरवी ? मैं समझती थी तुम बेचना चाहती हो। मुझे कोई दिलचस्पी नही। (करनल से) तुम्हारा क्या ख्याल है जी ?

कनल तुम ठीक हो मेरी बुलबुल !

मा गिरवी रख सकती हू।

ईवेटी मेरा ख्याल था तुम्हे पैसे की जरूरत है।

मा (मजबूती से) जरूरत तो है। लेकिन इसको इस तरह बेचने की बजाय दूसरी पेशकश का इतजार करूगी। गाड़ी से हमारी रोटी चलती है। ईवटी—तुम्हारे लिए यह एक खूबसूरत मौका है। कौन जाने फिर कब तुम्हे दूसरा कारोबारी सलाहकार मिले !

कनल ले लो ! ले लो

ईवेटी मेरे दोस्त का ख्याल है, मुझे ले लेना चाहिए। लेकिन यह सिर्फ गिरवी रखने के लिए है तो मेरा इरादा जरूर दूसरा है। क्या ख्याल है, मुझे खरीद लेनी चाहिये ठीक है न ?

कर्नल ठीक है मेरी कबूतरी, ठीक है।

मा फिर तो कोई बिकने वाली चीज ढूढो। वक्त आने पर शायद तुम्हे मिल जाये, अगर तुम्हारा दोस्त हफ्ता-दो हफ्ता साथ घूम सके तो काम की चीज मिल भी सकती है।

ईवेटी हम किसी चीज की तलाश मे घूम भी सकते है। मुझे

घूमना बहुत अच्छा लगता है। तुम्हारे साथ घूमने में बहुत मजा आता है।

कनल सच्च ?

ईवेटो बहुत मजा आता है।

कनल सच्च ? घूम सकती हो ?

ईवेटी तुम पैसा ला सको तो तुम कब तक पैसा वापस करना चाहती हो ?

मा दो हफ्तो में शायद एक में ही

ईवेटी मेरा मन नही मान रहा ए जी कुछ कहो तो

(कनल को एक तरफ ले जाती है।)

घबराओ नही उसको बेचैनी हो पड़ेगी। वह लेफ्टीनट। वह मुनहरे बाला वाला तुम जानते हो उसे। वह मुझे रुपया उधार देगा। वह मेरे लिए पागल हो रहा है। कहता है मुझे देख कर उसे किसी की याद आ जाता है। तुम्हारा क्या ख्याल है ?

कनल अरे वो उससे बच कर रहना। वह अच्छा नही है। मौके का फायदा उठायेगा। मैंने जो तुमसे कहा है कुछ खरीद दूगा कहा है न ?

ईवेटी तुम्हे खरीदने नही दूगी।

कनल खरीदने दो न। मेहरबानी होगी।

ईवेटी अच्छा आप कहते हैं वह लेफ्टीनेंट मौके का फायदा उठायेगा तब तो आपको इजाजत देनी ही पड़ेगी।

कनल मेरा भी यही ख्याल है।

ईवेटी तो फिर आपको इजाजत है।

कनल शाबास मेरी बुलबुल !

ईवेटी (मा के पास आकर) मेरा दोस्त कहता है ठीक है। एक रसीद लिख दो। दो हफ्ते गुजर जाने पर गाडी मेरी हो जायेगी। सब चीजो समेत। मैं एक बार गिनती करूगी। दो सौ गिल्डर इंतजार कर सकते है। (कनल से) तुम

कैम्प म चलो। मैं आती हू। देखना पडेगा, गाडी से कुछ गायब न हो जाए।

कर्नल ठहरो मैं तुम्हारी मदद करू? जल्दी आना मेरी कबूतरी (जाता है)

मा ईवेटी ईवटी ?

ईवेटी जूते बहुत कम रह गये हैं।

मा ईवेटी, गाडो तुम्हारी है या नहीं। यह सब देखने का वक्त नही है। तुमने कहा था हवलदार से स्विस चीज के लिए बात करोगी? एक मिनट भी जाया मत करो। एक घटे तक वह कोट माशल के लिए पेश होगा।

ईवेटी यह कमीजें एक बार गिन लू[1]

मा (स्कर्ट से पकड कर नीचे खींचते हुए) डायन कहीं की। स्विस चीज की जान जा रही है। यह मत बताना पसा किसने दिया है। तुम यह कहना, वह तुम्हारा प्रेमी है। नही तो उसको मदद करन के लिए हम सब धर लिये जायेंग।

ईवेटी मैने एक आख वाले को झाडिया म मिलन के लिए कहा है। वह आने वाला होगा[1]

पादरी पूरे दो सौ मत द देना। डेढ सौ काफी रहगे।

मा पसा तुम्हारा नही है। इसलिए इस मामल मे टाग मत अडाओ तो अच्छा है। तुम पर आच नहीं आयेगी। (ईवेटी से) अब भाग जाओ। सौदाबाजी मत करना। उसको जि दगी खतरे म है। (भगाती है।)

पादरी कहना तो नहीं चाहता पर तुम गुजारा कसे करोगी? बेकार का बोझ यह बेटी भी सर पर है।

मा मैं कश बाक्स पर आस लगाये बठी हू। उससे गिरवी छुडवाउगी।

पादरी तुम सोचती हो, वह मान जायेगी।

मा यह उसके फायदे की बात है। मैं दो सौ दगी और मुझे

गाडी मिलेगी। वह जानती है वह क्या कर रही है। कनल हमेशा उसके चक्कर म नही रहेगा। कथरीन ! जाओ ! चकमक पत्थर से घाव साफ करा। और तुम भी ईसा की मूर्ति मत बन रहा। चलते फिरते नजर आआ और वह गिलास साफ करो। पच्चास सवार आज रात यहा हागे। और तुम कहोगे तुम्ह खडे रहन की आदत नहीं है। 'हाय मेरे पाव ! गिरजे म कभी मुझे ऐस भागना नही पडा।' मेरा ख्याल है वह उसे छोड देंग। और खुदा का शुक्र करो, वह रिश्वत लेते हैं। भेडिय नही हैं—इसान हैं और दौलत के दीवाने। मेहरबानी खुदा की रिश्वतखोरी इसान की इस धरती पर ऐस ही उसका हुक्म चलता है। धरती पर भी और स्वग म भी। रिश्वत ही हमारा आखिरी सहारा है। जब तक रिश्वत है जज मेहरबान रहगे और हो सकता है निर्दोष बेचारे भी बच जाए !

ईवेटी (भागती आती है।) जल्दी करो, वह दो सौ मे मान जायेंगे। एक पल मे पासा पलट जाता है। एक आख वाले को अभी कनल के पास ले आना चाहिए। उन्होंने उससे उगलवा लिया कि उसके पास कैश-बाक्स था लेकिन जब उसने उसको पीछे आते देखा तो नदी म फेंक दिया। वह तो गया। मैं भाग कर कनल से पैसा ले आऊ ?

मा कैश-बाक्स गया ? मुझे दो सौ कहा से मिलेंगे ?

ईवेटी तुम सोच रही थी कश बाक्स से लोगी। मैं तो डूब गई थी। कोई उम्मीद नही दिलेर मा। अगर तुम्ह स्विस चीज चाहिए। तुम्ह कीमत चुकानी पडेगी। या मैं सब कुछ छोड दू और तुम अपनी गाडी अपने पास रखो।

मा चिल्लाने की जरूरत नही। मैं ऐसा नही सोच रही थी। गाडी तुम्ह मिलेगी। तुम्हारी हो चुकी है सतरह बरस तक मेरे पास थी। सब कुछ इतना अचानक हुआ है। एक

मिनट मुझे सोचने के लिए चाहिए। मै क्या कर सकता हू ? मैं दा सौ नही दे सकती। मुझे सौदेबाजी करनी चाहिए थी। मेर पास भी तो कुछ होना चाहिए, नही तो कोई भी ऐरा गैरा मुझे ठोकर मार कर चलता बनगा। जाओ, उनस कहो म एक सौ बीस दूगी। नही तो मामला खतम समझो। गाडी ता फिर भी चली जायगी।

ईवेटी मुझे पता है वह नही मानेंगे। एक आख वाला जल्दी म है। वह हर वक्त मुड मुड कर देखता रहता है। उनका पूरा दा सौ दे देना अच्छा न होता ?

मा (उतावली मे) मैं नही दे सकती। मैं तीस बरस तक काम करती रही हू। वह पच्चीस बरस की हो गई है और शादी नही हुई। मेरा पीछा छाडो ! मै जानती हू मैं क्या कर रही हू। एक सौ बीस नही ता बात खतम !

ईवेटी जसा तुम कहो ! तुम बहतर जानती हा। (भाग जाती है।)

(मा आहिस्ता-आहिस्ता पीछे जाती है। पलट कर देखे बिना कथरीन साथ बठ कर चाकू साफ करने लगती है।)

मा गिलास मत ताड देना। यह हमारे नही हैं। ध्यान स काम करो ! हाथ मत काट लेना। स्विस चीज आ जायेगा। जरूरत पडी तो दो सौ दे दूगी। तुम्हारा भाई मिल जायेगा। अस्सी गिल्डर से हम कोई छकडा भर लेंगे और फिर कारोबार गुरू करेंगे। एक गाडी जान से दुनिया खत्म नही हो जायेगी। कयामत नही आ जायगी।

पादरी बाईबल मे लिखा है "खुदा जरूर देगा।"

मा मैंने कहा ना। अपनी चोच बन्द रखो।

(खामोशी से चाकू साफ करते हैं अचानक कथरीन रोती हुई गाडी के पीछे भाग जाती है। ईवेटो भागती हुई आती है।)

ईवेटी मैंने कहा था वह नहीं मानेंगे। एक आग वाला उसी वक्त बात खत्म कर रहा था। उसने कहा, कोई फायदा नहीं। अभी नगाड़े की आवाज होगी जिसका मतलब होगा फैसला हो गया। मैंने एक सौ पचास तक कहा। वह चुप बना रहा। बड़ी मुश्किल से उसे राजी कर आई हूं।

मा उसे यहां मत दो मौ दगी। भाग कर जाओ।

(भागती है। मा बैठती है। खामोशी। पादरी गिलास साफ करने से रुक जाता है।)

मेरा ख्याल है मैंने मोलभावा जरा ज्यादा ही की है।

(दूर नगाड़े की आवाज। पादरी खड़ा होकर पीछे की तरफ जाता है। मा बैठी रहती है। अंधेरा होता है। फिर रोशनी होती है। मा हिली नहीं।)

ईवेटी तुमने अपनी मोलभावाजी का फल पा लिया न? रखो अपनी गाड़ी अपने पास। ग्यारह गोलियां लगी हैं उसको। पता नहीं मैं क्या तुम्हारी परवाह करती हूं। तुम इस काबिल नहीं हो। मुझे पता चला है, उनका ख्याल है कैश वापस नदी में नहीं। यही है। और तुम्हारा भी इसमें हाथ है। शायद वह उसे यहां लाएंगे। यह देखेंगे कि तुम उसे देख कर रो देती हो या नहीं। उसे मत पहचानना नहीं तो हम सब मारे जाएंगे। और यह भी बता दूं वह पीछे पीछे आ रहे हैं। मैं कथरीन को दूर ले जाऊं? (मा न का इशारा करती है।) वह जानती है? शायद उसने नगाड़ा सुना ही न हो। या मतलब न जानती हो।

मा वह जानती है—उसे ले आओ!

(ईवेटी कथरीन को लाती है। वह मा के पास खड़ी हो जाती है। मा उसका हाथ पकड़ लेती है। दो आदमी एक स्ट्रेचर पर चादर से ढकी कोई चीज लाते हैं। उनके साथ हवलदार है। स्ट्रेचर नीचे रखते हैं।)

हवलदार यह एक आदमी है। मालूम नहीं कौन है। रिकार्ड ठीक

[illegible] उसका [illegible] है। [illegible]
[illegible] था। [illegible] तुम [illegible]
[illegible] (मां इन्कार करती है।)
[illegible]? तुम [illegible]
[illegible]? (मां इन्कार करती है।)
[illegible]। [illegible]
[illegible] है।
([illegible] हैं।)

सीन चार

(दिलेर मां अहम समझौते का गीत गाती है।)

(आफिसर के तम्बू के पास (बाहर) मां इन्तजार कर रही है। एक मुन्शी झांकता है।)

मुंशी मैं तुम्हें पहचानता हूं। तुम्हारे साथ एक प्रोटेस्टेंट खजांची था। तुमने छुपा रखा था। बेहतर है शिकायत मत करना।

मां क्यों न करूं! मैं बेकुसूर हूं। यूं ही चली गई तो मतलब होगा मेरे दिल में चोर था। उन्होंने किरपानों से मेरी गाड़ी के चिथड़े उड़ा दिए। ऊपर से पांच हैलर जुर्माना मांगने लगे।

मुंशी तुम्हारा भला इसी में है, अपनी चोंच बन्द रखो। हमारे पास ज्यादा कैंटीन गाड़ियां नहीं हैं। इसलिए हम तुम्हें धंधा करने देंगे। खास तौर पर अगर दिल में चोर रखो और कभी कभी जुर्माना देती रहो।

मां मैं शिकायत पेश करूंगी।

मुंशी जैसी तुम्हारी मर्जी। कप्तान साहिब को फुरसत होने तक बैठी रहो। (तम्बू में जाता है।)

फौजी (तेजी से आता है।) ऐसी की तैसी कप्तान की। कहां है वह कुतिया की औलाद। मेरा इनाम हड़प कर शराब और रंडियों पर खर्च कर रहा है। मैं उसकी टांगें चीर दूंगा।

बूढा फौजी (उसके पीछे आकर) बकवास बंद करो। अभी बेड़ियों में जकड़े नज़र आओगे।

फौजी बाहर निकलो। डाक [illegible] थे। तुम्हारी हड्डी पसली एक कर दूंगा। मैंने अकेले [illegible] कर नदी पार की और इनाम की रकम ये हड़प कर गया। मैं अपने लिए एक बीयर भी नहीं खरीद सकता। निकलो बाहर, तुम्हारे टुकड़े न कर दूं तो नाम नहीं।

बूढा मुकद्दस बाप यह अपने आपको तबाह कर लेगा।

फौजी मुझे जाने दो नहीं तो तुम्हें भी ढेर कर दूंगा। आज फैसला होकर रहेगा।

बूढा मैंने एक बार कर्नल का घोड़ा मरने से बचाया था। कोई इनाम नहीं मिला। जवान खून है। नहीं मानता है।

मा जाने दो इसको। यह कुत्ता तो है नहीं जिसे बांध कर रखोगे। इनाम मांगने में क्या बुराई है? [illegible] की क्या जरूरत?

फौजी जाम पे जाम चढ़ाये जा रहा है। तुम [illegible] हो। मैंने मेहनत की है। इनाम चाहिए।

मा मेरे ऊपर मत चिल्लाओ। [illegible] मुसीबतें हैं। आवाज भी जरा [illegible] के आने पर जरूरत पड़ेगी। [illegible] जाएगा—और जब [illegible] आवाज नहीं निकलेगी [illegible] जकड़न की खुशी [illegible] तक चीख नहीं [illegible] उसके बाद [illegible] ही थला [illegible]।

फौजी मैं एक [illegible] नहीं होगा। [illegible]

मार दूगा।

मा मैं समझ गई हू तुम भूखे हो। पिछले दो बरस तुम्हारे कमाण्डर ने लूट का हुक्म दिया था। तुम लोग लूट मार करते हुए बाजार में निकल कर खेतो मे आ गए। फसल कुचली गई। अनाज बरबाद हो गया। उस समय अगर किसी के पास दस गिल्डर होते और मेरे पास बेचने के लिए जूते तो मुझे दस गिल्डर मिल गए होते। फसल तो खत्म हो गई और कमाण्डर को इधर फिर आने की उम्मीद नही थी। लेकिन वह यहा है और भुखमरी भी है। मैं तुम्हारा गुस्सा समझ सकती हू।

फौजी तुम बेकार बडबडा रही हो। मैं बेइन्साफी बरदाश्त नही कर सकता।

मा ठीक ह। लेकिन कब तक। कब तक ? बेइन्साफी बर्दाश्त नही होती ? एक घटा या दो घटे ? तुमने अपने आप से अभी तक नही पूछा—पूछा है क्या ? और जरूरी बात भी यही है। बेडियो मे जकडे जाना बहुत बडी मुसीबत है खास तौर पे जब तुम बेडियो मे जकडे जाने के बाद फैसला करो कि तुम इन्साफ चाहते हो।

फौजी पता नही मैं तुम्हारी बकवास क्यो सुन रहा हू। बेडा गर्क हो कप्तान का कहा है वह ?

मा तुम जानते हो मैं ठीक कह रही हू। इसीलिए सुन रहे हो। तुम्हारा गुस्सा अभी से ठडा पड गया है। थोडी देर का था। गुस्सा देर तक रहना चाहिए था लेकिन ऐसा गुस्सा कहा मिलेगा

फौजी तुम्हारा मतलब है इनाम मागना ठीक नही है ?

मा क्या नही ? मैंने तो यह कहा, तुम्हारा गुस्सा बहुत देर तक नही रहेगा। अफसोस इस बात का है तुम गुस्से मे कुछ कर नही पाओगे। अगर तुम्हारा गुस्सा तेज होता, मैं तुम्हे और बढावा देती। मैं तुम्हे उसके टुकडे करने के

लिए कहती। लेकिन तुम उसके टुकडे कर ही नहीं सकते। तुम्हे अपनी टागा के बीच दुम महसूस ही नही होती तो कहने का फायदा ही क्या ? तुम वहा खडे रहोगे और कप्तान मनमानी करता रहेगा।

बूढा तुम ठीक कहती हो। यह तो पागल है।

फौजी ऐसा ही सही—देख लेना, मै उसके टुकडे करता हू या नही। (तलवार निकालता है।)
वह बाहर आएगा, मै उसे काट कर रख दूगा।

मुशी (झाक कर) कप्तान साहब अभी आने वाले है। (फौजी आवाज मे) बैठ जाओ। (फौजी बठता है।)

मा और वह बठ गया। देखा—मैंने क्या कहा था ? तुम बठे हुए हो। वह हमारी रग रग पहचानते है। उनको मालूम है, कसे काम निकलवाना चाहिए। बठ जाओ' और हम बठ गए। बठने में काई बगावत नही। फिर खडे मत होना। जसे पहले थे वसे तो कभी भी खडे मत होना। मेरे से शरमाने की जरूरत नही। मैं तुमसे बेहतर नही हू। हम सर उठा कर नही चलते—धधे के लिए अच्छा नहीं होगा। सुनो—मैं तुम्हे 'अहम समझौता' के बारे में बताती हू—(गाती है।)

गीत

वो दिन थे जवानी के जमाना बहार का
खुद अपनी हुस्न मै से मुझे ही खुमार था
मैं ऐसी गरी न थी कि दुनिया की करू फिक्र
सारा जमाना करता था सीरत का मेरी जिक्र
हर शख्स लिखा करता है खुद अपनी ही तकदीर
कानून कायदो का न हामी मेरा जमीर

पर एक चिड़िया छत से जो बठी थी बोल उठी
साल और एक दो की राह देख बावली
होना पडेगा तुझको भी उनके ही हमकदम
आएगे साथ लेके वो बाजो की धमाधम
सब लडखडाने लगा वो ग्राए, मेरे खुदा
मालिक मेरे मुसीबतो से तू ही अब बचा
थोडे दिनो के बाद ही मुझको भी आ गया
मडवाइटो के बीच भी जीने का कायदा
वसे तो जरूरी थे और भी बहुत से काम
बच्चो की देख भाल रोटियो के बढते दाम
जब काम निकल जाए तो फिर पूछता है कौन
तब लात घूसे मिलते हैं सहती हू रह के मौन
फिर वही चिड़िया छत पे जा बठी थी बोल उठी
ले अब तो एक साल भी रहा न बावली
होना पडा था उसको भी उनके ही हमकदम
चल पडे साथ लेके वो बाजा की धमाधम
सब लडखडाने लगा वो आए मेरे खुदा
मालिक मेरे मुसीबतो से तू ही अब बचा
देखा है मैंने आदमी को छोडते जहा
क्या हाथ आया किसके कहू कसे मैं बया
गिद्दत हो तो अपना लो योगी का रास्ता
छोडो भी, देखो ऊना से कितना है फायदा
उनके लिए तो आसा है परबत भी उठाना
मुश्किल है यहा घास की इक टोकरी लाना
वो एक चिड़िया छत पे जा बठी थी बोल उठी
साल और एक दो की राह देख बावली
होना पडेगा सबको ही उनके ही हमकदम
चल देंग साथ लेके वो बाजा की धमाधम
सब लडखडाने लगा वो ग्राए मेरे खुदा

मालिक मेरे मुसीबत से तू ही अब बचा।

मां इसीलिए कहती हूं अगर तुम्हारे गुस्से में दम है तो तलवार खींचे खड़े रहो। अगर ज़रा भी कम है तो चुप चाप चलते बनो।

फौजी भाड़ में जाओ तुम सब। (जाता है बूढ़ा पीछा करता है।)

मुंशी कप्तान साहब आ रहे हैं। शिकायत पेश करो

मां मेरा इरादा बदल गया है। मैं शिकायत पेश नहीं कर रही हूं। (जाती है। मुंशी सर हिलाता देख रहा है।)

सीन पाच

(दो बरस बाद। जग और इलाकों मे फल गई है। गाडी चलते चलते पोलण्ड, मोराविया, बावेरिया, इटली और फिर बावेरिया से गुजरती है। १६३१ दिलेर मा को चार फौजी कमीजो से लिपजिग मे टिल्ली की फतह की कीमत चुकानी पडती है।)

(जग मे बरबाद गाडी गाव मे खडी है। दूर फौजी बाजे की आवाज दो सिपाही काउटर पर खडे हैं। दिलेर मा और कथरीन उनको देख रही है। एक फौजी के क ध पर फर का कोट है।)

मा क्या कह। ! कीमत नही चुका सकते। पसा नही तो ब्राण्डी नही। वह फतह के बाजे तो बजा रहे ह। जवानो का तालाह भी तो दें।

प० सि० मुझे ब्राण्डी चाहिए ! मैं लूट के लिए दर स पहुचा। कमाण्डर की सरासर बदमाशी ह। उसने लूट क लिए सिफ एक घटे का समय दिया। कहता है मैं जालिम नहा हू। लगता है उस खरीद लिया है।

पादरी (लडखडाता आता है।) हवेली म और भी है। किसाना का परिवार। मेरी मदद करो कोई। मुझे कपडा चाहिए। (दूसरा सिपाही उसके साथ जाता है। कथरीन मां को कपडा निकाल कर देने के लिए उकसाती है।)

मा — मेरे पास नही है। मैंने अपनी सारी पटि्टया रेजीमेंट को बेच दी ह। मैं उनके लिए अपनी अफसरों वाली कमीजें नही फाड़ूगी।

पादरी — (पलट कर) मैंने कहा मुझे कपडा चाहिये।

मा — (कथरीन को गाडी मे जाने मे रोकते हुए) नहीं है। उनके पास कुछ है नही और वह देंगे भी नहीं।

पादरी — (औरत से जिसे उठा कर ला रहा हे।) तुम लोग गोलाबारी मे बाहर क्या रह ?

औरत — हमारे खेत

मा — सोचो यह लोग कभी कोई चीज जान देंगे ? और कीमत मुझे चुकानी पडेगी। ठीक है मैं तो नही चुकाऊगी।

प० सि० — यह प्रोटेस्टेंट हैं। लेकिन यह प्रोटेस्टेंट क्यो है ?

मा — प्रोटेस्टेंट या कैथालिक होने से क्या फर्क पडता है। सबसे बडी बात है उनके खेत गये।

दू० सि० — यह प्रोटेस्टेंट नही—कैथालिक ह !

प० सि० — गोलाबारी के समय हम चुनाव नही कर सकते।

किसान — (पादरी के साथ आते हुए) मेरा बाजू गया।

पादरी — कपडा कहा है ? (सब मा को देखते हैं। वह हिलती नही है।)

मा — नही दे सकती। और सब कुछ जो देनी हू। टैक्स ड्यूटी, घूस। (कथरीन एक बोर्ड लेकर मा को धमकाती है) तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है। फेंक दो—नहीं तो अभी सबक सिखाऊगी—पागल नहीं की। मैं कुछ नही दूगी। मुझे अपनी फिकर भी तो है। (पादरी उसको उठाता है। गाडी से कमीजें निकाल कर पटि्टयां बनाता है) मेरी कमीजें मेरे अफसरों की कमीजें (मकान से एक बच्चे के रोने की आवाज आती है।)

किसान — बच्चा अभी तक वही है। (कथरीन भाग कर जाती है)

पादरी — (औरत से) रुक जाओ—वह ला रही है।

मा उसे रोको ! मकान की छत गिर जायेगी।

पादरी म वहा वापस नही आऊगा।

मा (दोनो तरफ ध्यान है) जरा आराम से—मेरा कपडा कीमती है। (दूसरा सिपाही उसे रोकता है। क्थरीन बच्चे को खडहर से बाहर लाती है।)
बढा लो बोझा एक और बच्चे का ! बहुत खुश हो रही होगी। अभी दे दो इसकी मा को नही तो इस लेन के लिए घटो तुमसे झगडा करना पडेगा। बहरी हो क्या ? (सिपाही से)
यहा खडे मुह क्या बना रहे हो। जाओ उनको बाजा बद करने के लिए कहो। उसके बगैर ही हम उनकी फतह की खबर मिल गई है। तुम्हारी फतह से मेरा घाटा ही घाटा है।

पादरी (पट्टी बाधते हुए) खून बह रहा है। (क्थरीन लोरी गुनगुनाते हुए बच्चे को खिलाती है।)

मा इस तबाही बरबादी म उसे बुलबुल की तरह चहकना सूझ रहा है। बच्चा दे दो मा को ! (पहला सिपाही बोतल लेकर भागने की कोशिश मे है।)
खुदा की मार तुम पर हरामखोर ! बोतल उडा कर एक और जीत बढाना चाहते हो। माल निकालो, माल !

प० सि० मेरे पास कुछ नही है।

मा (फर का कोट छीन कर) यह कोट यहा छोड दो। फिर लूट का माल तो है ही।

पादरी अभी भी कोई अन्दर है !

सीन छः

(बावेरिया के इनगोलस्टड शहर में दिलेर मां हारे हुए कमाण्डर टिल्ली के जनाज़े पर हाज़िर है। जंगी हीरो और जंग के वक्त के बारे में बातचीत होती है। पादरी बेकारी की शिकायत करता है। कथरीन को लाल जूते मिलते हैं। १६३२)

(कैन्टीन के तम्बू का भीतरी हिस्सा। पीछे एक काउंटर। बारिश। दूर मातमी धुन तथा नगाड़े की आवाज़। पादरी और मुंशी चौसर खेल रहे हैं। मां और बेटी हिसाब किताब कर रही हैं।

पादरी जनाज़ा उठने ही वाला है।

मां अफसोस होता है कमाण्डर की किस्मत पर—बाईस जोड़े जुराबें और ऐसी मौत । कहते हैं मद था। खेतों पर धुंध छाई थी। उसी का दोष है। कमाण्डर दूसरी रेजीमेंट में गया और उनको अंत तक लड़ने के लिए ललकारा। वापिस आ रहा था। धुंध में भटक गया। पीछे मुड़ने की बजाय आगे बढ़ गया। भरी लड़ाई में एक गोली से भिड़ गया—चार लालटेनें बाकी रह गई हैं। (सीटी की आवाज़। मां काउंटर तक जाती है। सिपाही से) शर्म की बात है। तुम कमाण्डर के जनाज़े से क्यों कतरा रहे हो। (शराब देती है)

मुशी — जनाजे से पहले उन्हें पमा नहीं बाटना चाहिए था। अब सभी वहां जाने की बजाय नशे में धुत्त हो रहे हैं।

पादरी — तुम्हें भी तो वहां होना चाहिए था।

मुशी — मैं बारिश की वजह से रुक गया।

मा — तुम्हारी बात और है। बारिश से तुम्हारी वर्दी खराब हो जायेगी। सुना है उन्होंने गिरजा में घटियां बजाने की मानिश की थी लेकिन उस कमांडर के हुक्म से सब गिरजे बन्द कर दिये गये थे। बेचारा कमाडर कब्र में उतरते वक्त घटियों की आवाज नहीं सुन सकेगा। उनकी बजाय गोलियां दागी जायेंगी। मौके की सादगी तो खत्म हो ही जायेगी। चमड़े की सोलह पटियां!

एक ग्रा० — करो एक ब्रान्डी

मा — माल निकालो पहले। अरे अरे—तम्बू में मत आओ। कीचड भरे जूतों से अन्दर आना चाहते हो। बारिश हो या सूखा—बाहर खड़े रह कर पी सकते हो। मैं सिर्फ अफसरों को अन्दर आने देती हूं। (मुंशी से)
मैंने सुना है आखिरी दिनों में कमाडर की हालत पतली थी। यह भी सुना है उसने दूसरी रजामन्द वालों की तनख्वाह भी मार ली थी। उसने कहा था यह धर्म की जंग है। मुफ्त लड़ो। (मातमी धुन! सब पीछे देखते हैं।)

पादरी — अब वह जनाजे के पास से गुजर रहे हैं।

मा — मुझे एक कमांडर या शहनशाह पर रहम आता है। हो सकता है उसके दिल में कोई बात हो। कोई बात जिसका चर्चा बरसों तक रहे। जिसके लिए उसके बुत बनायें जायें। एक कमांडर की इच्छा होती है कम से कम दुनिया की फतह। या खुदा बिस्कुटों में चीटे पड गए हैं—बात की बात वह एड़ी चोटी का जोर लगा देता है और कोई आवारा किस्म का आम सा आदमी जो एक गिलास

वीयर या थोडी सी दोस्ती की रवाहिश रखता ह। ग्गर जिसे जिन्दगी की ऊची उडाना से कोई मतलब नहीं—सब चौपट कर देता ह। ऊचे इरादे हमेशा एसे लोगा क छोट पन की वजह स टूट जाते हैं। जिन्हान उस पूरा करना होता है। शहनशाह भी अकेल युद्ध नहीं कर सकते। उनको भ सिपाहिया और अपन गुर्गों की मदद लेनी पडती है। ठीक कहा ना

पादरी जब तक तुम सिपाहिया तक नहीं पहुची तब तक ठीक थी। उनक बस मे जितना होना है करत है। अब इन्ह देखो! बारिश मे खडे पी रहे है। मेरी तबीयत फौजी अफसर बनने की नहीं हुई फिर भी म यह सकता हू, यह लोग सौ बरस तक लड सकत ह—एक के बाद एक जग। हो सके ता एक ही वक्त मे दो दो भी।

मा चमडे की सतरह पेटिया—तो तुम्हारा रयाल है जग बद न भी हो।

पादरी *एक कमाडर मर गया इसलिए? बच्चो जसी बातें मत* करो। छ पेंस की दजन के हिसाब स मिलते है और वह भी हीरा छाप!

मा मैं बहस के लिए नहीं पूछ रही थी। मैं साच रही थी, म और सामान खरीदू या नहीं। आजकल चीजें सस्ती ह और अगर जग ब द हो गया ता मुझे बेकार फेंकनी पडेंगी।

पादरी मै तुम्हारी दुविधा महसूस कर रहा हू दिलर, ऐस लोग भी है जो यह कहत है कि एक रोज जग खत्म हा जायगी। मेरे रयाल मे यह बताना मुश्किल है जग कभी खत्म हागी कि नहीं। हो सकता है कभी सास लेन के लिए रुक जाय। दुघटना भा हा सकती है क्योकि इस जमीन पर कोई चीज पूण नही। एसी जग जो बिलकुल दम तोड चुकी हो शायद ही कभी हो। पहले से ही सब कुछ सोच नहीं सकते।

नजर चूक सकती है और जग अचानक रुक जाती है और गढ़े में जा गिरती है और खींच कर बाहर निकालनी पड़ती है। और बाहर निकालने वाला शहंशाह होता है या पोप। जंग की फिक्र नहीं करनी चाहिए क्योंकि समय पर काम आने वाले यह दोस्त सलामत हैं। उसका भविष्य शानदार है।

सिपाही गाता है

सैनिक एक ही जाम में भरपूर पिला दे साकी, जाम पे जाम चले, वक्त नहीं है बाकी

मां तुम्हारी बात पर यकीन कर लूं तो

पादरी खुद सोचो! जंग कैसे खत्म हो सकती है?

सिपाही गाता है

सैनिक इतनी फुरसत है कहां हम शहसवारों के पास, जाम है इक हाथ में इक हाथ में घोड़े की रास

मुंशी अमन में क्या देर दार है। मैं बोहेम्या का हूं। कभी कभी वहां जाने को दिल करता है।

पादरी तुम जाना चाहते हो हूं? अमन बेचारा पनीर का टुकड़ा खतम हो जाता है तो सूराख कहा जाता है।

सैनिक (पीछे से)

उठ तो साकी जल्दी कर अब वक्त इतना है नहीं ज्वार है जवान जब तक पहुंचना है लाजिमी सब अदाएं छोड़ मैं कुर्बान हूं इक जाम पे तय है, मरना मुझको अपने हुक्मरां के नाम पे

मुशी आखिरकार तुम अमन के बगैर नही रह सकते !

पादरी मैं तो कहूगा कि जग म भी अमन होता है। जग मे अमन के पडाव आते हैं। जग सबकी जरूरियात पूरी करती है—अमन की भी। नही तो जग चल ही नही सकती। अमन की तरह जग मे भी तुम झपकी ले सकते हो। दो लडाइया के बीच बीयर पी सकते हो। मार्च करते हुए या खदक मे पडे हुए नीद ले सकते हो। कुछ न कुछ तो हो ही जाता है। हमले के वक्त ताश नही खेल सकते वह तो अमन मे हल चलाते हुए भी नही खेल सकते। फतह होने पर ही फुर्सत की उम्मीद होती है। टाग म गोली लगती है। खूब शोर मचाते है जैसे कोई मोर्चा मारा हो। थोडी देर के बाद ठडे पड जाते हैं। ब्राण्डी पीते हो और कूदन लगते हो। इस आफत से जग ज्यादा भयानक नही हो जाती लूट मार के बाजार मे तुम फल फूल नही सकते। झाडियो के पीछे रेंगती हुई जग की पदावार बच्चो की सूरत मे मिल जाती है और चलती रहती है। जग भी प्यार की तरह है। रास्ता निकाल ही लेती है। यह खत्म क्या होगी ?

(कथरीन काम छोडकर पादरी को देखने लगती है।)

मा फिर तो मैं वह माल खरीद ही लूगी। (कथरीन गिलासा वाली टोकरी जमीन पर पटक कर भाग जाती ह। मा हसती ह।)

कैथरीन ! मेरे खुदा ! कथरीन अभी भी अमन का इतजार कर रही है। अमन होते ही उसकी शादी का वादा किया था मैंने ! (पीछे जाती ह।)

मुशी यह माल ! अब पसे चुकाओ। (उठ जाता ह।)

मा (कथरीन के साथ आती ह) जरा सोचो ! जग थोडी देर

और चलेगी, हम थोड़ा पैसा और कमा लेंगे फिर अमन और भी अच्छा लगेगा। जाओ तुम शहर जाओ और गोल्डन लाइन से सामान लेकर आओ ! आठ-दस मिनट लगेंगे। महगी महगी चीजें लाना। गाड़ी हम बाद में भी भर सकते हैं। मूगी तुम्हारे साथ जायेगा। सिपाही लोग कमाडर के जनाज़े पर हैं। तुम्हें कुछ नहीं होगा। होशियारी से आना, कुछ गुम मत कर देना। दुल्हन के लिबास के ख्यालों में मत खो जाना। (कथरीन सर पर कपड़ा बांधती है। मूगी के साथ जाती है।)

पादरी मूगी के साथ जाने पर तुम्हें कोई एतराज नहीं ?

मा वह इतनी खूबसूरत नहीं जो उसे कोई भगा ले जाए !

पादरी तुम जिस ढंग से दुकानदारी करती हो, वह भी कामयाब दुकानदारी, वह काबिले तारीफ है। इसीलिए तुम्हें दिलेर मा कहते हैं।

मा गरीबों को ही दिलेरी की जरूरत होती है। क्योंकि वह भटक जाते हैं। बहुत बड़ी बात है जो वह अपने ग़मों के बावजूद सुबह उठ जाते हैं। या वह इस जंग के ज़माने में खेती करते हैं। उनकी दिलेरी ही तो है कि जिंदगी में कोई उम्मीद नहीं फिर भी बच्चे पैदा करते हैं। एक के बाद एक को फांसी पर लटकाना पड़ता है या ढर की सूरत में काटना पड़ता है। ऐसी हालत में एक दूसरे का सामना करना हो तो उसके लिए भी हिम्मत चाहिये ! एक तरफ पोप, दूसरी तरफ शहनशाह—दोनों को बर्दाश्त करना बड़ी दिल-गुर्दे की बात है। जान देनी पड़ती है उनके लिए। (पाईप पीने लगती है।) थोड़ी सी लकड़ी ही चीर लो !

पादरी (झिझक ! कोट उतारता हुआ।) देखा जाए तो मैं रूहों का रखवाला हूं—लकड़हारा नहीं।

मा लेकिन मेरे पास तुम्हारी रखवाली में देने के लिए कोई

। वह नहीं है। और लकड़ी की मुझे जरूरत है।

पादरी यह छोटा-सा पाईप कैसा है तुम्हारे पास ?

मा पाईप है।

पादरी मेरा ख्याल है यह खास किस्म का पाईप है।

मा अच्छा ?

पादरी यह बावर्ची का पाईप है।

मा जानते हो इधर उधर की क्यो हाँक रहे हो ?

पादरी पता नही, तुम्ह मालूम भी है तुम क्या पी रही हो। हो सकता है तुम अपनी चीजें देख रही थी। तुम्हारी उगलिया पाईप से टकरा गई और तुमने ऐसे ही बेख्याली मे उठा लिया।

मा तुम्ह कैसे मालूम ऐसे नही हुआ ?

पादरी तुम तो जानती हो ऐसे नही हुआ है।

(जोर से कुल्हाडी मारता है।)

मा जानती हू तो क्या हुआ ?

पादरी तुम्ह चेतावनी देनी पडेगी दिलावर ! हो सकता है उस आदमी को तुम कभी न देखो। यह दुख की नही खुशी की बात है दिलेर मा ! वह मुझे विश्वास के काबिल कभी नही लगा। बजाए इसके कि

मा सच्च कितना अच्छा आदमी था

पादरी उह हू ! ऐसे आदमी को तुम अच्छा समझती हो ? मैं नही।

(लडकी पर कुल्हाडी मारता है।)

मैं उसकी बुराई नही करना चाहता लेकिन उसे अच्छा आदमी भी नही कहूगा वह धोखेबाज है। एक चालाक लोमडी जसा। यकीन न हो तो पाईप को ही एक नजर देख लो पूरी कहानी कह देगा !

मा मुझे तो कोई खास बात दिखाई नही देती। पुरानी जरूर है।

पादरी। बीच मे काटा हुआ है। वह आदमी बहुत दुष्ट है। यह बहुत खतरनाक आदमी का पाईप है। अगर जरा भी अक्ल बाकी है तो तुम खुद देख सकती हो।
(जोर से कुल्हाडी चलाता है।)

मा लकडी को बीच म मत काटो

पादरी मैंने कहा नही मैं लकडी काटना नही जानता। रूहो की रखवाली मेरा पेशा है। मेरी तालीम का बहुत गलत इस्तेमाल हुआ है। यह गुनाह है कि जिस्मानी काम मे खुदा की दी हुई ताकत का सही इस्तेमाल नही कर सकता। तुमने मुझे नसीहत करते हुए नही सुना। मैं एक ही तकरीर से एक रेजीमेंट म ऐसी रूह फूक दू कि उनके लिए दुश्मन सिर्फ भेडो का एक झुण्ड रह जाए और आखिरी जीत के ख्याल मे उनका जीवन बेकार फेंके जाने वाले जूता से ज्यादा कीमती न हो। खुदा न मुझे जुबान की ताकत बख्शी है। मैं तकरीर के जोर स तुम्हारे होश उडा दू।

मा मेहरबानी करो! मुझे नही उडवाने अपने होश! उनके बगर मैं क्या करूगी?

पादरी दिलेर मा—अक्सर सोचा करता हू तुम्हारी इस रूखी जुबान के पीछे एक दिल भी छिपा है। तुम इसान हो और तुम्हे गमजोशी की जरूरत है।

मा इस तम्बू को गम करने का बेहतरीन तरीका है ढेर सारी लकडिया काट दो!

पादरी तुम बात बदल रही हो। मजाक छोडो। कभी-कभी सोचता हू, जग का अनोखी हवा न हम इकट्ठे ता कर ही दिया है। क्या न हमारा रिश्ता और मजबूत हो जाए?

मा पहले कम मजबूत है क्या? मैं तुम्हारा खाना बनाती हू। तुम मेरा हाथ बटाते हो लकडी काटकर!

पादरी (कुल्हाडी से पास जाकर इशारा) तुम जानत हो,

नजदीकी रिश्ते से मेरा ,क्या क्या मतलब है। खाने लकडी काटने और ऐसी दूसरी जरूरतो से इसका कोई वास्ता नही। दिल की बात कहो।

मा यू कुल्हाडी मत लहराम्रो। रिश्ता जरा ज्यादा ही नजदीक हो जाएगा।

पादरी हसी की बात नही है। मैं सच कह रहा हू। मैंने इस बारे में खूब सोचा है।

मा अक्ल के नाखून लो पादरी मिया ! मैं तुम्हे पसन्द करती हू इसलिए घबक्तो आग तुम्हारे सिर पर नही डालना चाहती। मैं सिर्फ खुद को और अपने बच्चो को गाडी के साथ निकाल ले जाना चाहती हू। यह गाडी अकेली मेरी नही है। और फिर निजी जिन्दगी शुरू करने का मेरा कोई इरादा भी नही। कमाण्डर मर गया है और सब तरफ अमन की चर्चा है। ऐसी हालत में यह माल खरीद कर बहुत बडा खतरा मोल ले रही हू। अगर मैं बर्बाद हो गई तो तुम कहा जाओगे। बोलो ? कोई जवाब नही। अब थोडी सी लकडी चीर डालो। एक शाम गम हो जाए ऐसे वक्तो मे यह भी बात है—यह आवाज कैसी थी ?

(मा खडी हो जाती है। कथरीनपासल, चीजें, ढोल आदि खींचकर ला रही है। उसके माथे पर जख्म है।)

यह क्या हुआ ? किसीने हमला किया ? वापसी पर जरूर किसी ने हमला किया है। मेरी शराब से गुट होने वाला सिपाही ही होगा। तुम्हे जाने नही देना चाहिए था। सामान रख दो जख्म गहरा नही है। अभी पट्टी कर देती हू। हफ्ते भर मे ठीक हो जाएगा। जानवर कहीं के।

(पट्टी बांधती है।)

पादरी मैं उनको बुरा नही कहता—घर पर वह कभी ऐसी शर्म-नाक हरकतें नही करते। इसके जिम्मेदार वह जगबाज

हैं जो छुपी हुई बुराइयों को शह देते हैं।

मा — मुर्गी तुम्हारे साथ वापस नहीं आयी? उसने सोचा होगा तुम एक शरीफ इज्जतदार लड़की हो—तुम्हें कुछ नहीं कहेंगे। जख्म गहरा नहीं है। कभी नजर नहीं आएगा—लो पट्टी बंध गई अब आराम करो तुम्हारी पसन्द की एक चीज है मेरे पास एक राज, अब तक छुपाए हुए थी। देखोगी?

(थैले से ईवेरी के जूते निकालती है)

देखा क्या है? लेना चाहती थी ना ले लो।

(जूते पहनाती है)

जल्दी पहन लो। नहीं तो मुझे अफसोस होगा क्यों दिए। पहन लो। यह नजर नहीं आयेगा। आये भी तो क्या? जिसको वह पसन्द करते हैं, उनकी किस्मत बहुत खराब होती है। जब तक वह खत्म नहीं हो जाती, उनको खींचते फिरते हैं। जिस लड़की की परवाह नहीं करते, उसे छोड़ देते हैं। मैंने बहुत लड़कियाँ देखी हैं। आती हैं तो खूबसूरत होती हैं। अचानक ऐसी सूरत बदलती है जिसे देखकर भेड़िया भी डर जाय। उनकी कहानी बहुत दर्दनाक होती है जैसे पेड़ ऊंचे लम्बे पेड़, छतों के शहतीर बनाने के लिए काट लिए जाते हैं और जो टेढ़े मेढ़े होते हैं वह बच जाते हैं। इस तरह यह जख्म एक तरह की खुशकिस्मती है। जूते ठीक हैं? रखने से पहले मैंने अच्छी तरह चमकाये थे।

(कथरीन जूते छोड़कर गाड़ी में चली जाती है।)

पादरी — (उसके जाने के बाद) वह बदसूरत तो नहीं हो जायेगी?

मा — दाग तो रह जायगा। उसे अब अमन का इन्तजार करने की जरूरत नहीं।

पादरी — उसने कोई चीज नहीं जाने दी।

मा — मुझे शायद ऐसी बात नहीं करनी चाहिये थी। पता तो

चले, उसके मन मे क्या है। एक बार वह रात भर बाहर रही। इतने बरसो मे सिफ एक बार। मुझे आज तक पता नहीं चला, उस रात क्या हुआ ? काफी देर तक मैं मगज-पच्ची करती रही।

(कैथरीन की फेंकी हुई चीजें उठाती है और गुस्से से उनको अलग करती है।)

एक बात है। जग मे आमदनी अच्छी होती है।

(तोप की आवाज।)

पादरी अब वह कमाण्डर को क़ब्र मे उतार रहे है। तारीखी लम्हा ।

मा मेरे लिए तारीखी लम्हा वह था जब उन्होने मेरी बेटी को जख्मी किया। उस बेचारी की शादी कैसे होगी अब ? और वह बच्चो के लिए पागल है उसका गूगापन भी जग की देन है। जब वह छोटी सी थी, एक सिपाही ने कुछ उसके मुह मे डाल दिया था। सविस चीज गया। खुदा जाने ऐलिफ कहा है। लानत है जग पर ।

सीन सात

(माँ का व्यापार तरक्की पर (एक रास्ता)
पावरो, मा और कपरीन गाडी खींचते हैं। नए-नए बर्तन लटक रहे हैं। माँ चांदी के सिक्कों की माला पहने हुए है।)

मा जंग को ताने मत दो। कमजोरों को खत्म कर देती है तो क्या हुआ। अमन उनके लिए क्या करता है। जंग खिलाती तो अच्छा है—

(गाती है)

जंग अगर होगी तो होगी बस की बात नही है
जीत के समय तुम भी होगे ये हालात नही हैं
लहू का कारोबार है जंग।
लहू का कारोबार है जंग॥

एक जगह रहने में कोई फायदा नही। जो घर पर रहते हैं वह पहले मरते हैं।

(गाती है)

घर में घुस कर छुप रहने से यारो कुछ ना होगा
जो कायर हैं उनको घर से बाहर आना होगा

ख़्वाहिश तो कितनी होती है और कितनों के पास
लेकिन मृत्यु के पास नहीं रहता कोई अहसास
कितनों ने खोदे हैं गड्ढे बड़ी होशियारी से
खुद ही जाना पड़ा उन्हीं गड्ढों में लाचारी से
पड़े क़ब्र में जो हैं उनसे पूछो जल्दी क्या थी
पड़े क़ब्र में जो हैं उनसे पूछो जल्दी क्या थी
(गाड़ी चलती रहती है।)

' ᅟ ᅟ

सीन आठ

(१६३२। इसी बरस लुतजेन की लडाई मे स्वीडन का शाह गस्टावस अडोलफस मर गया। अमन दिलेर मा को बर्बादी की धमकी देती है। एलिफ जरूरत से ज्यादा बहादुरी दिखाता है और शर्मनाक अजाम तक पहुचता है।)
(एक कम्प गर्मियो की सुबह। गाडी के सामने एक बूढी औरत और बेटा जो परो की बोरी घसीट रहा है।)

मा (गाडी के अन्दर) तुम्हे सुबह सुबह ही आना था क्या।

लडका हम रात भर चलते रहे है। बीस मील का सफर है।

मा लोगो के पास सर छुपाने की जगह नही हैं। बिछौने के परो का क्या करूगी।

लडका एक बार देख तो लो।

बूढी यहा भी कुछ नही होगा—चलो चलें—

लडका और टक्सो के लिए वह हमारे सर की छत भी उखाड कर चलते बनें। कगन इसमे डाल दो तो शायद तीन गिल्डर दे ही दे (घंटियो की आवाज) कुछ सुना मा।

आवाज अमन हो गया—स्वीडन का बादशाह मर गया।

मा (बिखरे बाल—सर बाहर निकालकर) घटिया। यह घटे के दरम्यान घंटिया किसलिए।

पादरी (गाडी के नीचे निकल कर) वह चिल्ला क्या रहे है।

लडका अमन हो गया।

पादरी अमन—

मा ऐसे मत बोलो भाई। मैं इतना सारा नया माल खरीद कर लाई हूं।

पादरी (पीछे की तरफ आवाज) अमन हो गया है क्या ?

आवाज कहते हैं तीन हफ्ते पहले जंग बन्द हो गई। मैंने तो अभी सुना है।

पादरी नहीं तो यह घंटियां किसलिए बजाएंगे।

आवाज लूथर भक्तों की एक भीड़ अभी अभी गाड़ियों पर आई है। वह खबर लाए हैं।

लड़का अमन हो गया मां (बेहोश हो जाती है।) क्या हुआ।

मा (गाड़ी में जाकर) कैथरीन उठो। अमन हो गया अमन। कपड़े पहनो! किस चीज की याद में हम चल जा रहे हैं। यहां कुछ हो सकता है क्या।

लड़का लोग तो यही कहते हैं जंग बन्द हो गई। तुम उठ सकती हो। (बूढ़ी हैरान सी उठती है) मुझे विश्वास है हमारी काठियों की दुकान फिर चल निकलेगी। सब ठीक हो जाएगा। बापू को उसका बिस्तर लौटा सकेंगे। चल सकती हो ना। (पादरी से) अमन होने की खबर सुनकर लगता है घबरा गई है। बापू कहा करते थे अमन हो जाएगा। मां को कभी विश्वास नहीं हुआ था। हम वापस घर जा रहे हैं (जाते हैं।)

मा (अन्दर) उसे थोड़ी ब्राडी दे दो।

पादरी वह चले गए हैं।

मा (अन्दर) उधर कैम्प में क्या हो रहा है ?

पादरी इकट्ठे हो रहे हैं। लगता है सब खतम हो गया। मैं पादरी का चोगा पहन लूं।

मा बहतर है पहले सही खबर मालूम कर लो और यसूह की खिलाफत का खतरा मोल लो। मैं बरबाद हो गई हूं फिर भी अमन होने की खुशी है। कम से कम मेरे दो बच्चे तो

जग से बच गये। अब मैं अपने एलिफ़ को फिर से देख सकूगी।

पादरी कैम्प की तरफ से कौन आ रहा है। यह तो स्वीडिश कमाडर का बावर्ची है।

बावर्ची (उलझा हुआ। एक बडल के साथ) कौन है भई, अरे पादरी साहब।

पादरी दिलावर मा, एक मेहमान आया है (बाहर आती है।)

बावर्ची मैंने वायदा किया था जब भी वक्त मिलेगा गपशप के लिए आऊगा। मैं तुम्हारी ब्राडी कभी नही भूला, मिसेज फियरलिंग।

मा या खुदा। कमाडर का बावर्ची इतने बरसो के बाद। मेरा सबसे बडा बेटा एलिफ कहा है।

बावर्ची अभी यहा नही आया ? वह तो, कल ही चल पडा था।

पादरी मैं अपना चोगा पहन ही लू। अभी आया (गाडी के पीछे जाता है।)

मा फिर तो आता ही होगा (गाडी की तरफ आवाज) कैथरीन, एलिफ आ रहा है। बावर्ची के लिए ब्राडी का एक गिलास लाओ।

(कथरीन नहीं आती है) बाल सीधे करो और चली जाओ। मिस्टर लेम्ब कोई अजनबी नही है (खुद ब्राडी देती है) वह नही आई मा। अमन उसके लिए बेकार है। बहुत देर से आया। इन्होंने उसे आख पर चोट मारी। नजर तो नहीं आती। मगर इसका ख्याल है लोग उसे घूर रहे हैं।

बावर्ची जी हा। जग—जग—(दोनो बठते हैं।)

माँ बावची तुम बहुत बुरे वक्त पर आए हो। मैं बर्बाद हो गयी।

बावर्ची अरे। यह तो बहुत बुरा हुआ।

माँ अमन ने मेरी गदन तोड दी है। पादरी के कहन पर मैंने

बहुत सारा माल खरीद लिया। अब हर कोई माग रहा है और बच्चा मेरे पल्ले ।

वावर्ची तुमने पादरी की बात कसे मान ली। कैथोलिक बहुत तेजी से आए थे, मेरे पास वक्त नही था, नही तो उसके बारे मे तुम्ह होशियार कर जाता, यह तो ढोंगा है लगता है इधर जरा बडा आदमी बन गया है।

मा बतन-वसन साफ कर देता या और गाडी खीचने मे मदद करता था।

वावर्ची गाडी खीचता था ? वह ? मुझे यकीन नही है। उसने तुम्ह अपने लतीफे जरूर सुनाए होगे। औरतो के लिए उसका बर्ताव बहुत ही खराब है। मैंने उसे सुधारने की कोशिश की लेकिन बेकार। वह मजबूत नही है।

मा तुम मजबूत हो ?

वावर्ची मैं और कुछ होउ या न होऊ मजबूत जरूर हू।

मा मजबूत। यहा सिर्फ एक ही आदमी आया जो मजबूत था। उन दिनो जितनी जान मारी मैंने की है उतनी कभी नही करनी पडी। उसने बहार के मौसम म बच्चो के कम्बल उतरवा कर बेच दिए और मेरा बाजा भी वह क्रिसटान नही लगता था। तुम अपने आपको मजबूत कह कर अपनी सिफारिश तो नही कर रहे हो।

वावर्ची तुम जी तोडकर लडती रही हो। मुझे अच्छा लगता था।

मा यह मत कहना तुम मेरे जी ताड सपन देखते रहे हो।

वावर्ची चलो जाने दो। हम यहा बैठे हैं। अमन की घटिया बज रही ह। तुम साकी बनी अपनी मशहूर ब्राडी ढाल रही हो। अपने ही अदाज से।

मा अमन की घटिया जायें। मुझे तो यह समझ नही आता, वह इतने महीनो की तनख्वाह कसे देंगे। और फिर मैं और मेरी मशहूर ब्राडी कहा होगी। तुम सबको तनख्वाह मिल गई है क्या।

बावर्ची (झिझक कर) पूरी तो नही। इसीलिए तो हम सब भाग लिए। मैंने सोचा हालात ऐसे हो तो रुकने का क्या फायदा। क्यो न कुछ दोस्तो से मिल लू। इसीलिए यहा बैठा हू। तुम्हारे पास ।

मा यह बोलो न—तुम फक्कड हो।

बावर्ची (पादरियो से नाराज) उनको अब यह तमाशा बद करना चाहिए। मैं कोई धधा शुरू करना चाहता हू। मैं बावर्चीपन से तग आ गया हू। मुझे पेडा की जडें और बूटो का चमडा पकाने के लिए मिलता था और वह गम गम सूप मेरे मुह पर दे मारते थे। आजकल बावर्ची होना कुत्ते से बदतर है। मैं जल्दी ही नौकरी से छुटकारा पा लूगा लेकिन अब तो अमन हो गया (पादरी पुराना कोट पहने आता है) हम फिर कभी बात करेंगे।

पादरी ठीक-ठाक है। बस टिड्डियो न छेद कर दिए है।

बावर्ची समझ मे नही आता तुम क्यो तकलीफ करते हो। तुम्हे दूसरी नौकरी तो मिलेगी नही। क्या तुम किसी को शराफ्त की जिंदगी गुजारने या किसी काम के लिए जान देने को उकसा सकोगे। और फिर तुमसे एक झगडा भी निपटाना है।

पादरी झगडा निपटाना है।

बावर्ची हा। तुमने एक औरत को यह कहा कि जग कभी नही हागी और उसे बेकार माल खरीदने की सलाह दी।

पादरी (गुस्सा) तुम्ह इससे मतलब।

बावर्ची मतलबबात है तुम जबदस्ती सलाह देते हो। और दूसरे लोगो के धधे म टाग अडात हो।

पादरी मैं जानना चाहूगा अब कौन टाग अडा रहा है (मा से) मुझे मालूम नही था तुम इस जात शरीफ की इतनी नजदीक हो और हर बात के लिए उससे जवाब देह हो।

मा जाश मे मत आओ। बावर्ची अपनी राय दे रहा है। तुम

इस बात से तो इन्कार नही कर सकते तुम्हारी जग धुध जसी थी। धुधलका थी।

पादरी तुम्हे अमन का नाम यू नही लेना चाहिए। दिलावर मा, मत भूलो तुम मर्दाने जग को लकडबग्घा हो।

मा क्या हू ?

बावर्ची अगर तुम मेरी दोस्त की बेइज्जती करोगे तो मरे साथ मुकाबला करना पडेगा।

पादरी मैं तुम से बात नही कर रहा। तुम्हारी नीयत शीशे की तरह जाहिर है (मा से) लेकिन जब मैं तुम्ह अमन को एक सडे हुए रूमाल की तरह उछालते हुए देखता हू तो मरी इसानियत बगावत कर देती है। इस से यह साबित होता है कि तुम्ह अमन नही, जग चाहिए। तुम क्यो इस हकीकत से बचना चाहती हो। यह मत भूलो शैतान के साथ बठकर खाना है तो हाथ भी लम्बे होने चाहिये।

मा पिंजरे मे बन्द लोमडी ने दूसरी से क्या कहा, अगर तुम वहा, बाहर खडी रहोगी तो मुसीबत मे पड जाओगी। जग से मेरा नाता टूटा नही है और अगर मैं लकडबग्घा हू तो तुम्हारी दोस्ती खत्म।

पादरी जब सभी सुख का सास ले रहे ह तो फिर अमन के नाम पर यह ची ची क्यो। क्या यह गाडी मे पडे कबाड के लिये है।

मा मेरी चीजें कबाड नही ह। मेरी जिन्दगी है। तुम उन्ही पर जिन्दा रहे हो।

पादरी यह एक ठोस हकीकत है तुम जग के सहारे जिन्दा रही हो।

बावर्ची तुम बडे आदमी हो। लोगो को बेकार सलाह देने की बजाय तुम्ह कुछ सोचना चाहिए (मा से) इस से पहले कि कीमतें घटकर कुछ भी न रह, बेहतर होगा कुछ चीजा से जल्दी छुटकारा पा लो। तयार हो जाओ और चल

बावर्ची देखो ईवेटी—कोई हगामा नही।
मा यह मेरा दोस्त है ईवेटी।
ई० यह पीटर पाईपर है।
मा क्या ?
बावर्ची मजाक छोडो। मेरा नाम लेम्ब है।
मा (हसते हुए) पीटर पाईपर औरतो को पागल कर देता था और मैंने तुम्हारा पाईप रख छोडा।
पादरी और पीया भी।
ई० खुशकिस्मती से यह तुम्हे इसके खिलाफ चेतावनी दे सकती हू। यह बहुत बुरा है। इस से बडा बदमाश नही मिलेगा। इसने अनगिनत लडकियो को मुसीबत में डाला—
बावर्ची बहुत पहले की बात है। अब मैं ऐसा नही हू।
ई० खडे होकर औरतो से बात करो। हाए, मैं उस आदमी को कितना प्यार करती थी। और वह टेढी मढी टागो वाली सावली सी लडकी लिए हुए था। उस को भी इसने बर्बाद कर डाला।
बावर्ची लगता है तुम्हारे लिए तो खुशकिस्मत ही रहा हू।
ई० खामोश रहो, बदमाश। तुम भी होशियार रहना दिलेर मा। ऐसे लोग मरते मरते भी खतरनाक होते है।
मा (इ० से) मेरे साथ आओ। कीमतें गिरने से पहले इस माल से छुटकारा पाना जरूरी है।
ई० (बावर्ची को देखती हुई) लफगे शैतान !
मा शायद तुम फौजी दफ्तर में मेरी मदद कर सको। तुम्हारा रसूख है।
ई० रडीबाज।
मा (चिल्ला कर) कैथरीन, गिरजा का प्रोग्राम खतम। मैं बाजार जा रही हू।
ई० लुच्चे—बदमाश।

मा (कथरीन से) एलिफ आये तो उसे कुछ पीने देना।

ई० तुम्हारे जसा आदमी मुझे सीधे रास्त ले जा शुक्र है मेरी किस्मत अच्छी थी जिस मे मैं कु गई। लेकिन अब तुम्हारी नही चलेगी पीटर एक दिन आयेगा जब इस से बेहतर जिंदगी इनाम देगा, चलो दिलेर मा (जाते हैं।)

पादरी आज सुबह ही धम ग्रथ मे देखा था। खुदा के अधेर नही। और तुम मेरे लतीफो की शिका थे।

बावर्ची मैं बहुत बदकिस्मत हू। साफ साफ कहू, भू था, यहा गम गम खान की उम्मीद से आया मेरे बारे म बातें कर रही होगी। मेरा ख्य आने से पहले ही मुझे चल देना चाहिए।

पादरी नक ख्याल है।

बावर्ची पादरी, इससे मुझे चिढ होती है। हम गुनाह है। इसानियत की आग मे जल कर खाक ब जाते। काश मैं कुछ कर पाता!

बावर्ची कमाडर के लिये एक मोटा ताजा मुर्गा भून खुदा जाने वह अब कहा होगा। सरसा की च छोटी छोटी पीली गाजरें।

पादरी लाल गोभी के साथ मुर्गे मुर्गे के साथ लाल ग

बावर्ची तुम ठीक कहते हो। लेकिन वह हमेशा पी मागता था।

पादरी बेवकूफ था।

बावर्ची तुम बहुत कुछ भूल जाते हो।

पादरी प्रोटेस्ट के तौर पर—

बावर्ची कुछ भी कहो, यह तो मानना पडेगा वह दि थे।

पादरी हा यह तो मानना पडेगा।

बावर्ची तुमने उसका लक्कडबग्घा कहा है। तुम्हारा भविष्य भी ज्यादा शानदार नही है। घूर घूर कर क्या देख रहे हो?

पादरी एलिफ आ रहा है (दो सिपाहियों के साथ आता है, हाथ बधे हैं, सफेद रग है।) तुम्हें क्या हुआ?

एलिफ मा कहा है।

पादरी शहर गई है।

एलिफ उन्होने बताया वह यहा है। आखिरी मुलाकात की इजाजत मिली है।

बावर्ची (सिपाहियों से) इसे कहा ले जा रहे हो।

सिपाही सफर पर। (दूसरा सिपाही गला काटने का इशारा करता है।)

पादरी क्या किया है इसने।

सिपाही इसने एक किसान पर हमला किया है और उसकी बीवी को मार दिया है।

पादरी एलिफ तुम ऐसा कर सके?

एलिफ नई बात नही थी। पहले भी मैंने ऐसा ही किया था।

बावर्ची वह जग का जमाना था।

एलिफ बकवास था। मा के आने तक मैं बैठ सकता हू।

सिपाही नही।

पादरी सच है जग के जमाने मे इसकी इज्जत अफजाई की गई थी। कमाडर के साथ दायी तरफ बैठा था। जज से बात नही कर सकते क्या?

सिपाही क्या फायदा होगा। किसान के मवेशी चुराने म क्या बहादुरी!

बावर्ची सरासर बेवकूफी थी।

एलिफ मैं बेवकूफ होता तो भूखा मर गया होता चालाक लोमडी होशियारवाला।

बावर्ची ठीक है तुम अक्लमद थे और उसकी कीमत चुका दी

तुमने।

पादरी कम से कम कथरीन को तो बाहर लाना चाहिए।

एलिफ उसे मत बुलाओ। थोडी सी ब्राडी दे दो।

सिपाही नही।

पादरी तुम्हारी मा से क्या कहू ?

एलिफ कह देना किया कुछ नही था। पहले जमा ही था। नही, कुछ मत कहना। (सिपाही ले जाते हैं।)

पादरी मैं तुम्हारे साथ चलता हू—मैं।

एलिफ मुझे पादरी की जरूरत नही।

पादरी न सही। फिर भी मैं आता हू। (पीछे जाता है।)

बावर्ची (पीछे आवाज देता है।) वह उसे मिलना चाहेगी। उसे बताना पडेगा।

पादरी तुम उसे कुछ मत बताना। नही तो कह देना वह आया था। फिर वापस आयेगा, शायद कल तब तक मैं वापिस आ जाऊगा और खबर सुना दूगा।

(तेजी से जाता है। बावर्ची उसे जाते देखता है सर हिलाता है। परेशान सा इधर उधर घूमता है। आखिरकार गाडी के पास जाता है।)

बावर्ची सुनो! तुम बाहर नही आओगी। तुम अमन से दूर भागना चाहती हो न। मैं भी—मैं स्वीडिश कमाडर का बावर्ची हू। याद है? मैं सोच रहा था तुम्हारे पास कुछ खाने को होगा, तुम्हारी मा के इतजार में गोश्त का एक टुकडा भी चलेगा। या रोटी ही हो। जरा वक्त कटी हो जायगी। (झाकता है।) वह तो सर पर कम्बल ओढे पडी है (तोप की आवाज।)

मा (सास चढी—सामान उठाये भागती आती है।) बावर्ची, अमन उडन छू हो गया। जग फिर शुरू हो गई तीन दिन से चल रही है। खुदा का शुक्र है मैंने माल बेचा नही। शहर में लूथर भगतो के साथ गोलाबारी का मुकाबला

शुरू हो गया है। हमको गाडी समेत निकल भागना चाहिये। कथरीन सामान बाध लो। तुम क्या सोच रहे हो कोई बात है क्या ?

वावर्ची नही तो।

मा कुछ तो है। तुम्हारा चेहरा कह रहा है।

वावर्ची जग फिर शुरु हो गई है न। इसीलिये। कल शाम तक चलती रहे। मेरे पेट मे कुछ तो जायेगा।

मा तुम मुझे बता नही रहे।

वावर्ची एलिफ आया था। उसे फिर वापिस जाना पडा।

मा वह आया था ? फिर तो मार्च के वक्त उसे देखेंगे। कैसा लगता था ?

वावर्ची वैसा ही।

मा वह कभी नही बदलेगा। और जग उसे नही हडप सकी। वह होशियार है। सामान बाधने मे मेरी मदद करो (कहती है।) उसने कुछ कहा ? कप्तान के साथ उसकी निभ रही है न ? अपनी बहादुरी के कारनामे भी सुनाये ?

वावर्ची उसने वैसा ही कारनामा फिर किया है।

मा अच्छा ठीक है बाद मे बताना (कथरीन आती है।) कथरीन। अमन खत्म हो गया। अब हमे फिर घूमना पडेगा। (बावर्ची से) तुम्हे क्या हो गया है।

वावर्ची मैं भरती हो जाऊगा।

मा अच्छी बात है। पादरी कहा है ?

वावर्ची शहर एलिफ के साथ

मा थोडी देर हमारे साथ रहो, मुझे कुछ मदद चाहिये।

वावर्ची वह स्वेटो का मामला—

मा मेरी नजर मे तुम्हे कोई नुकसान नही पहुचा। बल्कि इसके उलट ही हुआ, कहते है जहा आग होती है वहीं धुआ होता है। तुम आजाओगे ?

वावर्ची जरूर आऊगा।

मा बारहवी रेजीमेन्ट चल पडी है, चलू काठी म तुम्हारे साथ। शायद दिन डूबने तक एलिफ को देख सकू। अमन [illegible] दर का तो नही था, हमे शिकायत नही होनी चाहिए। चलो चलें। (बावर्ची और कथरीन काठी में।)

(मा गाती है।)

उल्म से मेटत्स तक
मेटत्स से म्यूनिख तक
ये दिलेर मा तो साथ है [illegible]
देखती रहेगी ये जग के [illegible]
जग सबका देती है [illegible]
जग को तो चाहिए [illegible]
सुनो सिप [illegible]

८

सीन नौवा

(मजहब की बड़ी लड़ाई १६ बरस तक चली है। जर्मन की आधी आबादी खत्म हो गई। जो जग मे बच गये, प्लेग मे मर गये। कभी के लहलहाते खेतो मे भूख नाच रही है। शहर कस्बे जला दिये गये हैं। खाली गलियो मे भेडिये घूमते हैं। १६३४ की बहार मे हम दिलावर मा को देखते हैं जो स्वीडिश फौज के रास्ते से दूर नही है। सर्दी जल्दी आ गई है और तेज है। काम धधा मदा है। सिर्फ भीख मागना रह गया है। बावर्ची को यूट्रच से खत मिलता है। और वह चला जाता है। एक अधजले गिरजे के सामने। सर्दी की शुरुआत, ठडी सुबह, हवा के झोके। मा और बावर्ची गाडी पर गदे कपडो मे।)

बावर्ची कही भी रोशनी नही—ऊपर कोई नही है।

मा लेकिन गिरजा है। पादरी अपना मखमली बिस्तर छोड कर घटी बजायेगा। फिर वह गम गम सूप पीयेगा।

बावर्ची उस कहा से मिलेगा। तमाम गाव भूख का शिकार है।

मा मकान मे कोई रहता है, कुत्ता भौंक रहा था।

बावर्ची पादरी के पास कुछ होगा तो उससे चिपका रहूगा।

मा अगर हम उसको गाकर सुनायें तो—

बावर्ची बस बहुत हुआ। (अचानक) मैंने तुम्हे बताया नही। यूट्रेच से एक खत आया है। मेरी मा हैज़े से मर गई। सराय

मेरी है। यकीन न हो तो यह खत है। तुम्हे दिखाता हू। मेरी चाची मेरा इतजार कर रही है। और मेरे उतार चढाव से तुम्हे कोई मतलब भी नही।

मा (पढते हुए) लेम्ब मैं भी इस आवारागर्दी से तग आ गई हू। लगता है मैं कसाई का कुत्ता हू जो गाहको के गोश्त ले जाता है और खुद उसे कुछ नही मिलता। मेरे पास बेचने के लिए कुछ नही और लोगो के पास खरीदने के लिए किसी ने दो अडो के लिए किताबो के ढेर मेरे हवाले करने की कोशिश की और एक जगह तो नमक की एक थली के लिए मुझे अपना हल दे देते। खेतो मे उगते है सिर्फ काटे और झाडिया। मैंने सुना है कही तो लोग अपने छोटे बच्चो को खा गये। एक पुजारिन टाका डालती हुई पकडी गई।

बावर्ची दुनिया गर्क हो रही है।

मा कभी कभी लगता है मैं जहन्नुम मे ईंधन बेचती हुई रूहो का सामान बाटती फिरती हू। कोई तो ऐसी जगह मिले जहा गोलाबारी न हो। मैं और मेरे बच्चे जो भी रह गये है दो पल आराम कर लें।

बावर्ची हम दोनो यह सराय खोल सकते है। मैंने तो फैसला कर लिया है। तुम चलो या न चलो मैं तो यूट्रेच जा रहा हू और आज ही।

मा मुझे कैथरीन से बात करने दो। कुछ अचानक ही हालात बदल रहे हैं और मैं भी इतनी सर्दी मे खाली पेट कोई फसला नही करना चाहती। (कैथरीन गाडी से बाहर आती है।) कथरीन, तुम्हे कुछ बताना है मैं और बावर्ची यूट्रेच जाना चाहते हैं। इसको वहा सराय मिली है। तुम वहा ठीक से रह सकोगी, और लोगो मे पहचान होगी। बहुत से लोग एक रतब वाली लडकी को अपनाने को तयार होंगे, जाहिरी सूरत ही सब कुछ

नही है। बावर्ची से मेरी खूब पटती है। मह मैं कहूगी व्यापार के लिए इसका दिमाग चलता है। खाने की फिक्र नही होगी, ठीक है न। तुम्हारा अपना बिस्तर होगा। क्या ख्याल है इस बारे म। रास्ते की जिन्दगी भी कोई जिन्दगी है। किसी वक्त भी मारी जाओ, कीडे-मकोडे खा जायेंगे। हम अभी फसला करना है नही ता स्वोडियों के साथ उत्तर का जाना पडेगा। वह उधर ही कही होगे। (बायीं तरफ इशारा) मरा ख्याल है कथरीन, हम जाना चाहिए।

बावर्ची — ऐना, मैं अकेले तुमसे एक बात करना चाहता हू।

मा — कथरीन, तुम अन्दर जाओ। (जाती है।)

बावर्ची — मैं तुम्ह टाल रहा हू क्योंकि कुछ गलतफहमी है। ऐना मैं एकदम नही कहना चाहता था लेकिन कहना पडेगा अगर तुम उसे साथ ला रही हो तो मुश्किल होगी। समझ रही हो न। (कथरीन झाक कर सुन रही है।)

मा — तुम्हारा मतलब है कथरीन को छोड जाऊ।

बावर्ची — तुम्हारा क्या ख्याल है। सराय म जगह नही है। ऐसी बडा नही जहा तीन काउन्टर होत है। अगर हम दोनो हिम्मत करें तो गुजारा चल सकता है। लेकिन तीन ज्यादा हुगे। कथरीन को गाडी दे दो।

मा — मैं सोच रही थी शायद यूट्रेच मे हम उसे खाविद ढढ दें।

बावर्ची — मजाक मत करो। उस चोट के निशान के साथ, उस बूढा का, गूगी को—

मा — ऊचा मत बोलो।

बावर्ची — ऊचा या नीचा जा है सो है। यह एक और वजह है जिसके लिए मैं उसे सराय म नही रख सकता। ग्राहक हर वक्त ऐसी सूरत को देखना पसन्द नही करते इसमे उनका कोई कुसूर नही।

मा — चुप रहो। मैंने तुम्ह कहा न इतना ऊचा मत बोलो।

बावर्ची गिरजे मे रोशनी हो रही है, अब हम गा सकते हैं।

मा बावर्ची व' अकेले गाडी कैसे खीच सकती है। जग स वह दहल जाती है, वह डरावने सपने देखती है, म राता को उसका भिनभिनाना सुनती हू। खासतौर पर लडाइया के बाद। मैं नही जानता वह सपनो मे क्या देखती है। खाली रहम से भी उसे तकलीफ होती है। एक दिन मन उसके पास एक खरगोश देखा जो हमसे ही कुचला गया था।

बावर्ची सराय बहुत छोटी है। (आवाज देकर) हजूरे अनवर और खिदमतगारो, हम अब आपको बादशाह सुलेमान, जूलियस सीज़र और दूसरी बडी हस्तियो के गीत सुना रहे हैं जिनका अजाम अच्छा नही हुआ। आप अदाज़ा कर सकेंगे हम कानून के पाबन्द है। और बडी मुश्किल से वक्त कटी कर रहे है। खासतौर पर ऐसे सद मौसम मे।

(गाता है)

आप तो वाकिफ ही होग काबिल बुजुर्ग सोलोमन
आपने तो देखा ही होगा तवारीख का दरपन
उसने इस दुनिया के बारे मे जो सोचा कम था
कोसा था उस घडी को उसने जिसम वो जनमा था
ये सब झूठ है चिल्ला चिल्लाकर ये उसने कहा था
पर थोडी ही दर बाद सबको ये पता चला था
उसकी इसी समझदारी ने वार किया था उस पर
नही आपके पास अगर ये है तो समझो बहतर

जसा कि हमारा गीत बताता है इस दुनिया मे खूबिया बहुत खतरनाक होती है। आप उनके बगैर ही भले है। जिन्दगी अच्छी है, नाश्ता मिलता है गरम सूप भी हो सकता है। मुझे ही देखिये मैं एक ऐसा आदमी मे कुछ नही मिला। लेकिन ख्वाहिशें बहुत

सिपाही हू लेकिन उन सभी लड़ाइयो मे मेरी बहादुरी किस काम की। बेहतर होता मैं अपनी पतलून गीली कर लेता और घर पर रहता, क्योंकि—

गाना

और बहादुर सीज़र का भी हाल है क्या भाला
सबका उसका जीत जो हो खुदा था बना डाला
उसी का जिस्म उन्हान बोटी-बोटी म काटा था
'ब्रूटस तुम भी' कहत कहत उसका दम टूटा था
उसकी इस जाबाज़ी न ही वार किया था उस पर
नही आपके पास अगर य है ता समझो बेहतर

(आहिस्ता) बाहर झाकत भी नही। हुजूरे अनवर और साहिबान जो भी अन्दर है। आप कहग। नही। हिम्मत वह दा नही जिससे पट भरता है। ईमानदारी को आजमा कर देखो वह रात के खाने के बराबर होगी। कुछ न कुछ तो असर होगा ही। चलो देखत हैं—

गाना

और कहो सुकरात के बारे म क्या बोला जाए
उसका कौल यही था जो भो हो सच बोला जाए
आप सोचते है लोगो ने इसका सिला दिया था
लोगो ने उसके प्याले मे जहर मिला दिया था
उस पर था इल्जाम कि वो लोगो का भरमाता है
सच और सिर्फ सच ही सुनना रास कहा आता है
इस ईमानपरस्ती ने वार किया था उस पर
नही आपके पास अगर य है तो समझो बेहतर

माना हमे कहा जाता है इन्सान को खुदगर्ज नही होना चाहिये। जो हो बाट कर खाना चाहिए। लेकिन जब हो ही न तो क्या करें। जो बाटते हैं उनकी हालत भी बहतर नही होती। सब को बाट बाकी बचता ही क्या है। बगरज होना बहुत कीमती गुण है। लेकिन बेकार—

गाना

मार्टिन जो खुदगर्ज नही था आप जानते होंगे
नही जरूरत पूरी वो कर सका मानते होंगे
बर्फ मे मिले शख्स को अपना आधा कोट दिया था
एवज मे इसके दोनो ने कफन ही ओढ लिया था
उसकी इस दिलदारी ने ही वार किया था उस पर
नही आपके पास अगर ये है तो समझो बेहतर

ऐसा ही होता है हमारे साथ। हम कानून पसद लोग है। अपने आप मे रहते है। चोरी नही करते, कत्ल नही करते, आग नही लगाते। इस तरह हम गहराइयों मे डूबते चले जाते है और हमारा गीत सही साबित होता है और सूप भी नही मिलती। अगर हम अलग होते। अगर हम चोर व कातिल होते, हम भर पेट खा सकते। भलाई से कुछ नही मिलता। बुराई से ही जो चाहो ले लो। ऐसा जमाना आ गया है।
होना चाहिए क्या—

गाना

देख रहे हैं आज का हालत और आदमी आम
जो मन ■ माना करते है मुर्दा से दग आराम—
आप यहा बैठे मस्ती मे विद्या मे गम।

मदद की जिन्हें जरूरत है कुछ उनका करें खयाल
इसी खुदा के खौफ ने लेकिन वार किया था उन पर
नही आपके पास अगर ये हू तो समझो बेहतर

आवाज (ऊपर से) अरे और ऊपर आओ। तुम्हारे लिये कुछ सूप है।

मा लेम्ब मैं कुछ खा नही पाऊगी। जो कुछ तुमने कहा है वह गलत तो नही है लेकिन यह तुम्हारा आखिरी फसला है। हमने हमेशा एक दूसरे को समझा है।

बावर्ची हा एना। सोच लो फिर से।

मा फिर से सोचने के लिये कुछ नही है। मैं उसको यहा नही छोड़ूगी।

बावर्ची बेवकूफी करोगी। लेकिन क्या कर सकता हू। मैं जालिम नही हू लेकिन क्या करू सराय बहुत छोटी है। अब हमे ऊपर जाना चाहिए, नही तो यहा भी कुछ नही रहेगा और हमारा इस सर्दी मे गाना बेकार जायगा।

मा मैं कथरीन को बुलाती हू।

बावर्ची उसके लिए जेब मे कुछ डाल कर ले आना अच्छा होगा। तीनो को देखकर घबरा जायेंगे। (जाते हैं।)

(कथरीन एक बण्डल के साथ बाहर आती है। देखती है दोनो चले गये हैं कि नहीं। फिर वह मा की एक स्कर्ट और बावर्ची की पतलून साथ साथ पहिये पर लटकाती है जो नजर आ सके। वह काम करके बण्डल उठा कर चलने को है। दिलेर मा आती है।)

मा (सूप की प्लेट के साथ) कथरीन ! रुक जाओ कथरीन। बण्डल के साथ कहा जा रही हो ? (बण्डल देखती है,) इसने तो अपनी चीजें बाध ली। तुम सुन रही थी। मैंने उसे बता दिया ऐसा नही चलेगा। वह अपनी सराय और यूट्रेच रक्खे अपने पास। हम भला उस गन्दी सराय का क्या करेंगे (पतलून और स्कर्ट देखकर) तुम बिल्कुल

पागल हो कैथरीन। मैं तुम्हें जाते हुए न देखती तो क्या होता। (कैथरीन जाने की कोशिश करती है। उसे पकड़ कर) यह भी मत समझना मैंने उसे तुम्हारी वजह से जाने दिया है। गाड़ी की वजह से। हम दो जुदा नहीं हो सकती जैसे मेरा अंग बन गयी है। तुम रुकावट नहीं थी। यह गाड़ी थी। हम चल रहे हैं। बावरची की चीज़ें हम यहां छोड़ देंगे। वह खुद ही ले लेगा, । बेवकूफ आदमी (ऊपर जाकर पतलून के साथ की दो चार चीज़ें फेंकती है) लो उसकी नौकरी खत्म। आखरी आदमी जो मेरे धंधे में शरीक हुआ। चलो अब चलें। मैं और तुम गाड़ी में आ जायें। दूसरी सर्दियों की तरह यह सर्दी भी गुज़र जायगी।

(गाड़ी में जुत जाती है। घुमाती है और चल देती हैं। हवा का झोंका। बावरची कुछ चबाता हुआ आता है। चीज़ें देखता है।)

सीन दस

१६३८ का सारा साल मा और कथरीन मध्य जर्मनी की सड़कों पर गाड़ी खींचती घूमती है पहले से भी ज्यादा खस्ता हाल। फाज। का किस्सा। (एक रास्ता) मा और कथरीन गाड़ी खींच रही हैं। वह एक खुशहाल फार्म हाउस के पास आती है। कोई अन्दर गा रहा है।)

गाना

मार्च महीने मे हमने बगिया म जो बोया था
इक नन्हा सा बीज कोख म धरती के सोया था
आज हमारी बगिया म गुलाब का फूल खिला है
हमने जो मेहनत की थी ये उसका सिला मिला है
वो सचमुच खुशकिस्मत है जिनके गुलाब खिलते है
किस्मत वालो को ही ये हसीन तोहफे मिलते है
मौसम के बर्फानी झोंके जब जमीन नापेंगे
पेड़ो के नोकीले पत्ते थर थर कांपेंगे
खैर हम तो फिक्र नही मौसम न कुछ कर पाए
हमने अपने घर काई के छप्पर से है छाए
बर्फानी मौसम म छप्पर छाई जिसकी छत
सचमुच वो खुश किस्मत है खुश किस्मत है खुश किस्मत
(दोनो सुनने के लिये रुक गयी थी। अब फिर चल देती हैं।)

ले०	म कह रहा हू खामोश रहो। जरा भी आवाज हुई तो सिर तोड देंगे। हमे शहर का रास्ता दिखाने वाला कोई चाहिए। (नौजवान किसान की तरफ इशारा) तुम इधर आओ।
नौजवान	मुझे कोई रास्ता मालूम नही है।
दू० सि०	(चिढा कर) इसे रास्ता मालूम नही है।
नौजवान	मैं कथोलिक की मदद नही करता।
ले०	इसको जरा अपनी कमर में बर्छी का मजा लेने दो।
नौजवान	(घुटनों के बल बर्छी गले पर) मार दो मुझे।
दू० सि०	(चिढाकर) मार दो मुझे।
प० सि०	मुझे मालूम है इसका इरादा कैसे बदलेगा। (तबेले की तरफ जाता है।) दो गाय और एक बैल। अगर तुम रास्ते पर नही आओगे तो मैं तुम्हारे मवेशी मार दूगा।
नौजवान	मवेशी नही।
बूढी औ०	मवेशी छोड दो कप्तान साहब, नही तो हम भूखे मर जायेंगे।
ले०	अगर इसका दिमाग ठीक न हुआ तो ?
प० सि०	मेरा ख्याल है मैं बैल से शुरू करता हू।
नौजवान	(बूढे से) जाना पडेगा। (बूढा हा का इशारा करता है।) मैं चलूगा।
बूढी औ०	शुक्रिया कप्तान साहब, बहुत बहुत शुक्रिया। आमीन। (बूढा आदमी उसे शुक्रिया करने से रोकता है।)
प० सि०	मैं जानता था बैल काम आयेगा। (नौजवान के साथ तीनों जाते हैं।)
किसान	न जाने क्या बात है। अच्छी बात तो होगी नही।
औरत	हो सकता है स्काउट हो। तुम क्या कर रहे हो ?
किसान	(छत के साथ सीढी लगाकर चढते हुए) मैं देख रहा हूँ वह अकेले हैं या नही (छत पर) चारो तरफ हलचल है। हथियार नजर आ रहे है। तोप भी है। एक रजीमेंट से ज्यादा ही होंगे। खुदा शहर के लोगों पर रहम करे।
औरत	शहर में रोशनी है ?
किसान	नही। वह सब सोये हुए हैं। (नीचे आता है।) हमला होगा और सब बिस्तरो में कत्ल कर दिये जायेंगे।
औरत	चौकीदार उनको होशियार कर देगा।

किसान इन्होंने पहाडी वाले मीनार के चौकीदार को मार दिया होगा। नही तो वह अब तक नगाडा बजा देता।
औरत हमारे साथ अगर और लोग होते—
किसान हम तो अकेले है इस अपाहिज के साथ।
औरत हम कुछ नही कर सकते हैं क्या ?
किसान कुछ नही—
औरत हम अंधेरे म वहा जा भी नही सकते।
किसान पूरी पहाडी के दामन मे वह फैले हुए हं।
औरत हम इशारा तो कर सकते हं—
किसान वह जान से मार देंगे।
औरत नही हम कुछ नही कर सकते। (कथरीन से) दुआ करो अभागी, दुआ करो। हम इस खून खराबे का रोकने के लिये कुछ नही कर सकते। तुम बोल नही सकती दुआ ही करो। और कोई सुने न सुन वह तो सुनता है। मैं तुम्हारी मदद करुगी। (सब झुकते हैं। कथरीन पछे ह।) ऐ आसमानो मे रहने वाले मुकद्दस बाप, हमारी इल्तजा सुनो शहर में बेफिकरी का नीद सोने वालो को तबाह मत होने दो। उनको जगा दो। वह दीवारो तक जाय और दुश्मन को देखें जो हर पहाडी के दामन मे और खेतो मे आग और तलवार लिये रात के अधेरो मे बढता चला आ रहा है। (कथरीन से) खुदा तुम्हारी मा की हिफाजत करे और चौकीदार को सोने न दे। बहुत देर होने से पहले ही उसको जगा दे। हमारे दामाद की भी हिफाज़त कर। वह अपने चार बच्चो के साथ वहा है। वह भी खतम न हो जाय वह मासूम है, कुछ नही जानते। (कथरीन से जो सिसक रही है।) एक तो दो बरस का भी नही। सबसे बडा सात बरस का है (कथरीन दुखी उठती है।) ऐ आसमानी बाप हमारी आवाज सुन सिफ तू ही मदद कर सकता है नही तो हम मर जाएगे। हम कमज़ोर है। हमारे पास तलवार भी नही। हम अपनी ताकत पर भरोसा नही कर सकते सिफ तुम्हारी ताकत पर हम विश्वास है। या खुदा। हम तुम्हारे हाथो मे हैं। हमारे मवेशी, हमारे खेत और शहर भी हम सब तुम्हारे हाथो मे हैं और दुश्मन पूरी ताकत के साथ दीवार तक पा

गया है।

(कथरीन चुपचाप गाडी मे गयी है, कुछ निकाला है, लिबास के नीचे छुपाया है और सीढी से छत पर चली गयी है।)

खतरे मे बच्चो का ध्यान कर। खास तौर पर छोटे बच्चो का। बूढो का ख्याल कर जो हिल भी नही सकते। और सभी ईसाई जिन्दगियो का या खुदा।

किसान — और हमारी भूलें माफ कर जैसा कि हम उनकी भूलें माफ करते हैं जो हमारे खिलाफ हैं। आमीन। (कथरीन एप्रन से ड्रम निकाल कर बजाने लगती है।)

औरत — या खुदा—यह क्या कर रही है ?

किसान — वह पागल हो गयी है।

औरत — उसे जल्दी से नीचे उतारो (किसान सीढी के पास जाता है लेकिन कथरीन उसे ऊपर खींच लेती है।) यह हमें मुसीबत मे डालेगी।

किसान — बन्द करो बेवकूफ अपाहिज !

औरत — सिपाही आ जाएँगे।

किसान — (पत्थर ढूढते हुए) मैं तुम्हे पत्थर मारूगा।

औरत — तुम्हे तरस नही आता, तुम्हारा दिल नही। हमारे भी रिश्तेदार हैं वहा, चार पोते हैं लेकिन हम क्या कर सकते हैं अगर अब इन्होने हमे पा लिया तो बस खात्मा समझो। हमे जान से मार देंगे। (कथरीन शहर की तरफ घूर रही है बजाती जा रही है) मैंने तुम्हे कहा था इन बदमाशो को फाम मे मत आने दो। हमारे जाने से इनका क्या बिगडता है।

ले० — (नौजवान, सिपाहियो के साथ भाग कर आता है।) मैं इसके टुकडे-टुकडे कर दूगा।

औरत — हम बेकसूर हैं हजूर। हम कुछ नही कर सकते। उसने किया है एक परदेसी है।

ले० — सीढी कहा है ?

किसान — छत पर।

ले० — मैं तुम्हे हुक्म देता हू ढोल नीचे फेंक दो। (बजाती रहती है।) तुम सभी ऐसे हो लेकिन तुम किस्से कहने के लिए जिन्दा नही रहोगे।

किसान — इधर चीड़ के पेड़ काट रहे थे। अगर हम एक लम्बा सा तना ला सकें तो इसे नीचे गिरा सकते हैं।

प० सि० — इजाजत हो तो मैं कुछ कहूं। (ले० के कान में कुछ कहता है। वह हां का इशारा करता है) ए, सुनो तुम्हारे भले की एक बात है। नीचे आ जाओ और हमारे साथ शहर को चलो। अपनी मां दिखा दो, हम उसे छोड़ देंगे। (बजाती रहती है।)

ले० — (उसे धकेलते हुए) उसे तुम पर यकीन नहीं, हो भी कैसे, तुम्हारी सूरत ही ऐसी है। अरी को सुनो, मैं वायदा करता हूं। मैं एक अफसर हूं। मेरा वायदा एक दस्तावेज होता है। (कैथरीन जोर से बजाती है। कुछ भी उसको प्यारा नहीं है।)

नौजवान — हुजूर! यह सिर्फ मां की वजह से नहीं है।

प० सि० — ऐसा कैसे चलेगा? शहर वाले जरूर सुन लेंगे।

ले० — हमें कोई और शोर करना चाहिए जो ढोल से ऊंचा हो। कैसा शोर कर सकते हैं?

प० सि० — हमें तो शोर नहीं करना चाहिये।

ले० — करना चाहिये बेवकूफ! अमन के जमाने का शोर—

किसान — मैं लकड़ी काट सकता हूं।

ले० — यह बात हुई न (किसान कुल्हाड़ी लाता है और काटता है।) काटो और जोर से काटो अपनी जिन्दगी के लिये काटो। (कथरीन धीरे धीरे बजाती सुन रही थी। इधर-उधर देखती हुई बजाती रहती है।) यह काफी नहीं है। (पहले सिपाही से) तुम भी काटो।

किसान० — मेरे पास एक ही कुल्हाड़ी है (काटना रोक देता है।)

ले० — फार्म को आग लगा दो। धुएं से भागेगी।

किसान० — यह ठीक नहीं होगा कप्तान साहब। शहर वाले आग देखेंगे तो सब समझ जायेंगे। (कैथरीन सुनती रही है अब हंसती है)

ले० — यह हम पर हंस रही है। हमारा मजाक उड़ा रही है अब बर्दाश्त नहीं होगा। मैं इसके परखचे उड़ा दूंगा एक बन्दूक लाओ। (सिपाही जाते हैं कथरीन बजाती रहती है।)

किसान० — एक बात सूनी है कप्तान साहब। यह उधर गाड़ी है

हम अगर उसको तोड देंगे तो यह रुक जायगी वही उनका सब कुछ है।

ले० (नौजवान से) तोड दो (कैथरीन से) अगर तुम मार बद नही करोगी तो हम तुम्हारी गाडी तोड देंगे।(नौजवान एक तख्ते से हल्की हल्की ठोकर मारता है)

औरत० (कथरीन से) बद कर बमचाक जानवर (कथरीन रुक कर गाडी देखती है, दुखी लगती है लेकिन बजाती रहती है।)

ले० वह कुत्ते के बच्चे कहा मर गये बन्दूक के साथ।

प०सि० शहर वाला, न कुछ नही सुना होगा, नही तो उनका ताप की आवाज जरूर आती।

ले० वह तुम्हे सुन नही रहे हैं और हम तुम्हे गोली से उड़ा देंगे एक मौका और देता हू ढाल न चे फेंक दो।

नौजवान (तख्ता फेंक कर कथरीन की तरफ चीखता है) मत रखना नही तो वह सब मर जायगे बजाती रहो—बजाती रहो—

(एक सिपाही उसे नीचे गिराकर सलाख से पीटता है। कैथरीन रोने लगती है लेकिन बजाती रहती है)

औरत० पेट म मत मारो। तुम तो उसे जान स मार रह हो।
(सिपाही बन्दूक के साथ आते हैं।)

दू०सि० गुस्से से कनल के मुह से झाग निकल रही है। हमारा कोर्ट मार्शल होगा।

ले० लगाओ जल्दी से लगाओ। (एक सागे पर लगाते हैं) आखिरी बार कहता हू बजाना बद कर दो (कथरीन रोती है लेकिन पूरे जोर से बजाने लगती है।) फायर (सिपाही गोली चलाते हैं, कथरीन को लगती है, वह ढाल को एक दो बार फिर बजाती है और आहिस्ता से गिर पडती है।)

ले० एक बार तो खत्म हुआ।

(आखिरी ढोल की चोटें तोप की आवाज के साथ दब जाती हैं। तोप की आवाज के साथ-साथ खतरे की घंटियों की आवाज दूर से आती है)।

प० सि० यह जीत गई।

सीन बारह

(सुबह के करीब। फौजों की वापसी की आवाज। संगीत। गाड़ी के सामने मां कथरीन की लाश के पास बैठी है। रात वाले किसान पास खड़े हैं)।

किसान तुम्हें अब जाना चाहिए। एक रेजीमेंट बाकी है। तुम अकेली कभी नहीं जा सकोगी।

मा शायद वह सो गई है। (गाती है।)

मोजा री साजा री मोजा
माठे में सपना में खोजा
रात पड़ोसी के बच्चे
जपने हैं हालात अच्छे
उनके फटे चीथड़े है
तेरे तो कपड़े नए हैं॥ मोजा री
भूखा पड़ोसी का बच्चा
तुमको मिला खाना अच्छा
पोलैंड में एक सो है
दूजा न जाने कहां है॥ मोजा री

मा तुम्हें उसे बच्चों के बारे में नहीं बताना चाहिए था।

किसान अगर तुम खरीदारी करने शहर नहीं गई होती तो शायद ऐसा नहीं होता।

मा वह अब सो गई है।

किसान अब तो तुम्हें मालूम होना चाहिए। वह सोई हुई नहीं है, वह चली गई है, तुम्हें भी जाना चाहिये इस इलाके में भेड़िये बहुत हैं। और खतरनाक डाकू भी।

मा ठीक कहते हो। (गाड़ी से लाश ढांपने के लिये कपड़ा

लाती ह।)

औरत तुम्हारा अब कोई नही रहा। कोई—जिसके पास तुम जा सको।

मा एक है—मेरा एलिफ—

किसान (मा लाश ढक रही ह) उसकी तलाश करो। इसे हमारे पास छोड दो। हम ठीक ढग से इसको दफना देंगे। तुम कोई फिक्र मत करो।

मा यह लो, खच के लिए पसे—(किसान को देती ह।)
(किसान और नौजवान उससे हाथ मिलाते हैं और लाश उठाकर चले जाते हैं।)

औरत (हाथ पकड कर झुकती ह। जाते हुए) जल्दी करो।

मा (गाडी गले मे डालते हुए) मेरा ख्याल है मैं अकेली खीच लूगी। हा खीच सकूगी। अब ज्यादा कुछ रहा भी तो नहीं। मुझे फिर से काम धधा शुरू करना चाहिए—
(एक और रेजीमेंट जाने की आवाज) अरे ओ। मुझे भी साथ लेते जाओ—
(सिपाहियों के गाने की आवाज) 8913

गाना

जग चल रही है बडे जोर से।
जग चल रही है बडे जोर से॥
अपनी अपनी किस्मत है।
खतरा यू तो सबका है॥
युद्ध तो सौ साल चलता जाएगा
आम लोगो को नही है फायदा
खाएगे कचरा पहिनेंगे चीथडे
आधी तनख्वाह भी ले जाएगे वो छीन के।
जग चल रही है बडे जोर से।
जग चल रही है बडे ज़ोर से॥
आया नया साल बर्फ है पिघल रही
मुर्दो के जिस्मो मे होने लगी थरथरी
तू है गर जि दा तो खडा हो भाग जा
तू है गर जि दा तो खडा हो भाग जा॥

(पर्दा)